RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

वर्ष-10, अंक-12, हिन्दी (मासिक), दिसंबर 2023, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

नशामुक्त भारत अभियान | ब्रह्माकुमार भाई-बहनों की अथक मेहनत ला रही रंग

देश के 28 राज्यों में चलाया जा रहा है अभियान

आबू रोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मेडिकल विंग द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी नशामुक्त भारत अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। मात्र नौ माह में 28 राज्यों में 4570 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनके माध्यम से दस लाख लोगों को नशामुक्ति का संदेश दिया गया। नौ लाख लोगों को सदा नशे से दूर रहने का संकल्प कराया गया। अभियान में स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, सामाजिक संस्थाओं, इंडस्ट्रीज, फैक्ट्री से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को प्रोजेक्टर,वीडियो फिल्म, नुक्कड़ नाटक, ड्रामा के माध्यम से नशे से होने वाली हानि और दुष्प्रभाव के बारे में बताया जा रहा है। बता दें कि अभियान के लिए ब्रह्माकुमारीज और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय के बीच एमओयू साइन किया गया है। इसके तहत तीन साल तक अभियान चलाया जाएगा।

देशभर में राजस्थान में रिकार्ड कार्यक्रम-

राजस्थान में चलाए जा रहे मेरा राजस्थान-नशामुक्त राजस्थान अभियान के तहत देशभर में सर्वाधिक रिकार्ड 953 कार्यक्रम स्कूल-कॉलेज और संस्थाओं में आयोजित किए गए। राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर गांव-गांव में वालेंटियर्स की टीम तैयार की जा रही है जो लोगों को घर-घर जाकर नशामुक्ति का संदेश दे रही है। लोगों को अध्यात्म की शिक्षा और राजयोग ध्यान सिखाकर नशा छोड़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया जा रहा है। नशा छोड़ने के इच्छुक लोगों को होम्योपैथिक दवा के साथ व्यक्तिगत स्तर पर काउंसलिंग की जा रही है।

1103 गांवों को किया कवर

नशामुक्त भारत अभियान के तहत अब तक अलग-अलग राज्यों के 1103 गांवों को कवर किया गया है। इन गांवों में नुक्कड़ नाटक, सभा, सम्मेलन और चौपाल लगाकर ग्रामीणों, किसान, बुजुर्ग, युवा और महिलाओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया। साथ ही लोगों को नशा छोड़ने और घर में जो भी नशा करता है उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने का संकल्प कराया गया।

1465 स्कूल- हॉस्टल में कराई प्रतिज्ञा

निजी- सरकारी माध्यमिक विद्यालय से लेकर हायर सेकंडरी स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को नशे से सदा दूर रहने की प्रतिज्ञा कराई। उन्हें राजयोग मेडिटेशन को सीखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कई बच्चों ने दृढ़ संकल्प किया का जीवन में कभी भी कोई भी नशा नहीं करेंगे। मोटिवेशनल भाषण सुनकर कई विद्यार्थियों ने अपने परिजन को भी नशा छुड़ाने के लिए संकल्प किया।

नौ माह में 4570 कार्यक्रम

दस लाख लोगों को दिया संदेश

अभियान से जुड़कर लोग नशे को कह रहे अलविदा

SPECIAL स्टोरी

फैक्ट फाइल

- **4570** देशभर में कार्यक्रम
- **10 लाख** लोगों तक पहुंचा संदेश
- **928156** लोगों को दिलाया संकल्प
- **2562** शहरों से चलाया अभियान
- **28 राज्यों** में जारी हैं कार्यक्रम
- **03 साल** तक चलेगा अभियान

नशामुक्त अभियान को जन अभियान बनाना है

नशा मुक्त भारत अभियान को जन अभियान बनाना है। जन-जन तक इस मुहिम को पहुंचाना है। न केवल अपने बच्चों को बल्कि अपने पूरे परिवार को, समाज को इस व्यसन से बचाना है। जब परिवार और समाज बचेगा तब हमारा देश सही मायनों में नशा मुक्त देश होगा। एक विकसित देश होगा। सशक्त देश होगा। आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी देश होगा।

- **डॉ. वीरेंद्र कुमार**, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, नई दिल्ली

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों पर कर रहे काउंसलिंग

नशामुक्ति कार्यक्रम के साथ लोगों को व्यक्तिगत स्तर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों पर काउंसलिंग की जा रही है। इसमें ब्रह्माकुमारी बहनों नशे से पीड़ित व्यक्ति को गाइड करती हैं। साथ ही अध्यात्म और मेडिटेशन सिखाकर मानसिक रूप से मजबूत बनाया जाता है। काउंसलिंग के कारण सैकड़ों लोग जो वर्षों से नशे की गिरफ्त में थे आज आनंदमय जीवन जी रहे हैं।

नशामुक्ति रथ से गांव-गांव में दिया जा रहा संदेश...

इन राज्यों में सर्वाधिक कार्यक्रम हुए

प्रदेश	कार्यक्रम	लाभांवित
राजस्थान	953	223832
हरियाणा	324	99011
बिहार	390	91052
मध्यप्रदेश	395	77895
गुजरात	363	64767
हिमाचल प्रदेश	225	73077
उत्तर प्रदेश	207	30197
उत्तराखंड	196	23800
पंजाब	163	55357
दिल्ली	148	77106
महाराष्ट्र	138	54141
ओड़िसा	135	50379
जम्मू-कश्मीर	124	18821
छत्तीसगढ़	94	59825
असम	93	32668
तमिलनाडु	69	29251

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया इंटरफैथ मीट को संबोधित

मानव जीवन के मूल उद्देश्य एवं अर्थ का बोध कराता है धर्म

नई दिल्ली

धर्म न केवल मानव को जीवन के उद्देश्य एवं अर्थ का बोध कराता है बल्कि जीवन की जटिलताओं को समझने में भी सहायता करता है। उक्त विचार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने व्यक्त किए। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित इंटरफैंथ मीट को सम्बोधित करते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि धर्म हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रार्थना, ध्यान और धार्मिक अनुष्ठान मानव को आंतरिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का अनुभव कराते हैं।

जीवन को सार्थक बनाते हैं - आध्यात्मिक मूल्य

राष्ट्रपति ने कहा कि शांति, प्रेम, पवित्रता और सच्चाई जैसे आध्यात्मिक मूल्य ही जीवन को सार्थक बनाते हैं। इन मूल्यों से रहित धार्मिक प्रथाएं मानव का कल्याण नहीं कर सकतीं। सामाजिक समरसता और सौहार्द्र को बनाए रखने के लिए एक-दूसरे का सम्मान जरूरी है। हम जैसा व्यवहार खुद के लिए चाहते हैं, दूसरों से भी वैसा ही व्यवहार करें। सभी धार्मिक ग्रंथ प्यार की भाषा सिखाते हैं। ईश्वर सभी को समान प्यार करता है।

आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही 2047 तक बन पाएगा भारत विकसित राष्ट्र

मुर्मू ने कहा कि स्वयं की विस्मृति ही दुखों का मूल कारण है। आपसी सद्भाव से ही सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण बहुत आवश्यक है। आध्यात्मिक रूप से सशक्त व्यक्ति ही आंतरिक शांति और स्थिरता का अनुभव कर सकता है। धार्मिक समभाव, एकता और देश प्रेम के भाव ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था इस दिशा में एक अनुकरणीय कार्य कर रही है। संस्थान की सेवाएं सराहनीय हैं।

कार्यक्रम में टैम्पल ऑफ अंडरस्टैंडिंग के महासचिव डॉ. एके मर्चेंट, यहूदी धर्म के प्रमुख ईजेकिल इसहाक मालेकर, दिल्ली जमात ए इस्लाम हिंद के उपाध्यक्ष सलीम इंजीनियर, बौद्ध धर्मगुरु भिक्खु संघसेना, जैन मुनि आचार्य लोकेश, हरि मंदिर पटौदी के महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज, गुरुद्वारा बंगला साहेब के प्रमुख ज्ञानी रंजीत सिंह एवं रामकृष्ण मिशन पहाड़गंज, दिल्ली के सचिव सर्वलोकानंद ने भाग लिया।

ब्रह्माकुमारीज की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव राजयोगी बीके बृजमोहन भाई, ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी बीके आशा दीदी, जापान सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके रजनी दीदी, ऑस्ट्रेलिया से बीके चार्ली भाई सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। संचालन बीके हुसैन बहन ने किया।

सर्वधर्म विश्व शांति सम्मेलन में दिया शांति का संदेश

शिव आमंत्रण, भोपाल (मप्र)

वर्तमान समय संसार में युद्ध एवं प्राकृतिक आपदाओं से दुखी और अशांत लोगों के लिए सेवा सदन तुलसी नगर भोपाल में विशेष सर्वधर्म के धर्म गुरुओं का संगठन एकत्रित हुआ। जिसमें सभी धर्म के प्रतिनिधियों ने विश्व शांति एवं सद्भावना के लिए अपने-अपने धर्म ग्रंथों में दिए गए शांति संदेशों को सबके सामने रखते हुए प्रार्थना की। इसमें आर्च बिशप दुरई राज, शहर काजी सैयद अयूब अली एवं सिख समाज के गुरवेज सिंह सहित बौद्ध धर्म एवं सनातन धर्म के प्रतिनिधि मौजूद थे। साथ ही प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नीलबड़ से बीके हेमा एवं बीके डॉक्टर प्रियंका भी शामिल हुईं।

बीके डॉ. प्रियंका ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाए जाने वाले राजयोग मेडिटेशन की जानकारी देते हुए कहा यह एकमात्र ज्ञान है जिससे विश्व में भाईचारे की भावना को निर्मित किया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हर माह के तीसरे रविवार को विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया जाता है। सभी भाई बहनें मिलकर संगठित विश्व शांति के लिए योग करते हैं। बीके हेमा बहन ने कहा कि हम सभी शांत स्वरूप आत्माएं शांति के सागर परमात्मा की संतान हैं। आपस में सभी भाई-भाई हैं। अतः हमें समाज के बने हुए सरहदों एवं धर्म से ऊपर उठकर मानवता का साथ देना है और मिलकर इस विषम परिस्थिति का सामना करना है। अंत में उन्होंने राजयोग ध्यान अभ्यास द्वारा सारी विश्व की आत्माओं के लिए शांति की प्रार्थना द्वारा सभी को शांति की दुआएं दी। साथ ही राजयोग से सभी को शांति की गहन अनुभूति कराई।

संत सम्मान समारोह आयोजित

शिव आमंत्रण, अयोध्या (उप्र)।

ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव बी.के. मृत्युंजय भाई के अयोध्या आगमन पर संत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें अयोध्या के संत श्री 1008 सत्येन्द्र दास महाराज मुख्य पुजारी श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या, जगद्गुरु श्रीधराचार्य महाराज श्री अशर्फ़ी भवन, पवन कुमार दास महाराज फलाहारी (राजयोगी ऊँची खड़ाऊ वाले) श्री हनमत ध्यान भवन प्रहलाद घाट, रामशरण दास महाराज रामायणी मानस व्यास स्वर्गद्वार अयोध्या, विजय रामदास महाराज (तेरहत्यागी) खाक चौक, चिन्मयानन्द महाराज कटरा कुटी धाम ने समारोह में शिरकत की तथा ब्रह्माकुमारीज़ की सराहना की।

समारोह में मधुबन न्यूज़ के संपादक और संस्थान के पीआरओ बीके कोमल भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके शिविका बहन, स्थानीय सेवा केन्द्र प्रभारी बीके शशि बहन, वाराणसी सब ज़ोन के प्रबंधक बीके दीपेन्द्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संत महात्माओं का बहुमान किया गया। इसके पश्चात उन्हें ईश्वर सौग़ात भेंट कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर बनारस के वरिष्ठ राजयोगी बीके पंकज समेत कई लोग उपस्थित रहे।

स्मृति शेष...

ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका 88 वर्षीय डॉ. निर्मला दीदी का देवलोकगमन

- विश्व के 70 से अधिक देशों में पहुंचाया भारतीय संस्कृति का संदेश
- एमबीबीएस की पढ़ाई के बाद 27 साल की उम्र में 1962 में संस्थान के संपर्क में आईं
- 1966 से समर्पित रूप से दे रही थीं सेवाएं
- ज्ञान सरोवर अकादमी माउंट आबू की थीं निदेशिका
- 20 अक्टूबर 2023 को अहमदाबाद के हॉस्पिटल में ली अंतिम सांस

आबू रोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका डॉ. निर्मला दीदी का 88 वर्ष की उम्र में देवलोकगमन हो गया। उन्होंने अहमदाबाद के हॉस्पिटल में 20 अक्टूबर 2023 को सुबह 11 बजे अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से बीमार चल रहीं थीं। आप मात्र 27 वर्ष की आयु में ब्रह्माकुमारीज से जुड़ीं और पूरा जीवन समाज कल्याण में समर्पित कर दिया। ब्रह्माकुमारीज की कोर कमेटी मेंबर होने के साथ आपने संस्थान के संस्थापक ब्रह्मा बाबा से ज्ञान प्राप्त किया। सरलता, विनम्रता और उदारता की प्रतिमूर्ति डॉ. निर्मला दीदी के जीवन से प्रेरणा लेकर हजारों लोगों ने अपना जीवन आनंदमय बनाया।

वर्ष 1935 में मुंबई में हुआ था जन्म

मुंबई के प्रसिद्ध व्यापारी परिवार में वर्ष 1935 में जन्मी डॉ. निर्मला दीदी बचपन से ही प्रतिभावान रहीं। आप बचपन में खेलकूद के साथ पढ़ाई में विशेष रुचि रखती थीं। वर्ष 1962 में आपने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। इसी वर्ष आप ब्रह्माकुमारीज के संपर्क में आईं। मुंबई में आपने 1962 में प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती (मम्मा) से ज्ञान प्राप्त कर और आपके जीवन से प्रभावित होकर अध्यात्म के प्रति विशेष रुचि बढ़ गई। मम्मा के प्रवचन सुनकर और पवित्र जीवन ने प्रभावित किया। आपको बचपन से ही समाजसेवा का शौक था। इसके चलते ही आपने तपस्या का मार्ग चुना।

डॉ. निर्मला दीदी

लंदन से शुरू हुआ राजयोग संदेश, 70 देशों में पहुंचाया

तत्कालीन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि ने डॉ. निर्मला दीदी को विदेश सेवाओं की जिम्मेदारी सौंपी। वर्ष 1971 में आप पहली बार लंदन पहुंचीं, जहां दादी जानकी के साथ कुछ समय सेवाएं देने के बाद आपने अफ्रीका, मॉरीशस, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर सहित 70 देशों में लोगों में अध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन की अलख जगाई।

1964 में पहली बार ब्रह्मा बाबा से मिली

वर्ष 1962 में संस्थान से जुड़ीं और पहली बार वर्ष 1964 में माउंट आबू पहुंचीं, जहां ब्रह्मा बाबा से मुलाकात के बाद समर्पित होने का संकल्प किया। वर्ष 1966 से आप अपनी सेवाएं दे रहीं थीं। सेवा साधना के इस पथ पर चलने के आपके संकल्प में माता-पिता ने भी सहर्ष स्वीकृति दे दी। यह वह समय था जब महिलाओं का तपस्या की राह पर चलते हुए अपना जीवन समर्पित करना साहसपूर्ण निर्णय होता था।

ऑस्ट्रेलिया अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा

अध्यात्म के क्षेत्र में आपकी विशेष सेवाओं को देखते हुए सरकार ने आपको ऑस्ट्रेलिया अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा। करीब 12 साल से आप संस्थान के माउंट आबू स्थित ज्ञान सरोवर परिसर की निदेशिका और तीन साल से संयुक्त मुख्य प्रशासिका की जिम्मेदारी संभाल रहीं थीं।

लोगों को भारतीय संस्कृति से जोड़ा

दृढ़ इच्छा शक्ति, आत्मबल, चरित्र बल का परिणाम है कि आपने चंद वर्षों में हजारों लोगों को राजयोग के माध्यम से पश्चिमी संस्कृति से निकालकर भारतीय संस्कृति से जोड़कर उनके जीवन का सकारात्मक परिवर्तन किया।

जीवनभर की सेवा

मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि डॉ. निर्मला बहन ने अपना पूरी जीवन विश्व के कल्याण में लगा दिया। आपके ज्ञान और जीवन से प्रभावित होकर हजारों लोगों को आध्यात्मिक पथ पर चलने की प्रेरणा मिली। आपका सरल स्वभाव सभी को प्रभावित करता था। ऐसी महान आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजली।

राज्यपाल ने किया कर्नाटक नशामुक्त भारत अभियान का शुभारंभ

बैंगलुरु (कर्नाटक)।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी नशा मुक्त भारत अभियान का कर्नाटक का राज्य स्तरीय शुभारंभ ब्रह्माकुमारीज, दिव्य बुद्धि अकादमी, बन्नेरघट्टा रोड, गोटीगेरे, बेंगलुरु में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने किया। राज्यपाल ने कहा कि भारत और दुनियाभर में लोग ब्रह्माकुमारियों और उनके आदर्शों से अच्छी तरह से परिचित हैं। ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रमों से हमेशा अभिभूत रहा हूं। पूरी दुनिया में अपनी मौजूदगी वाला एक संगठन व्यक्तित्व विकास, मानवता, व्यक्तिगत परिवर्तन और विश्व नवीकरण के लिए समर्पित है। जिससे सभी को एक सफल और सार्थक जीवन जीने में मदद मिलती है।

उन्होंने विश्व के आध्यात्मिक संगठनों के बीच अपना एक स्थान और पहचान स्थापित की है। नशा मुक्त भारत अभियान पूरे भारत में चलाया जा रहा है। नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को विनाश की ओर ले जाता है। यह हमें विकास की बजाय विनाश की ओर ले जाता है। इसलिए सिर्फ खुद को ही नहीं दूसरों को भी बचाना बहुत जरूरी है। नशामुक्त होने के साथ-साथ परिवार, समाज और देश को भी मुक्त बनाएं एक व्यसन-मुक्त . भारत सरकार, राज्य इसी उद्देश्य से सरकार और ब्रह्माकुमारीज ने यह अभियान शुरू किया है।

राज्यपाल ने कहा कि तनावपूर्ण आधुनिक जीवन शैली व्यक्ति को नशे की ओर धकेलती है और इसे रोकने के लिए यह नितांत आवश्यक है कि इसकी शुरुआत अपने घर से ही करनी होगी। यह काम परिवार द्वारा, सभी पीढ़ियों पर ध्यान देकर किया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति के दृष्टिकोण या व्यवहार में कोई बदलाव आता है तो हमें यह जांचना चाहिए कि कहीं वह व्यक्ति नशे की ओर तो नहीं बढ़ रहा है। इस प्रकार, इस समस्या से निपटने के लिए एक बहुत ही व्यावहारिक और आसान दृष्टिकोण लाया जा रहा है। उन्होंने किसी व्यक्ति/छात्र पर इस लत के कारण और प्रभाव की गहराई में जाकर बताया कि कैसे यह लत किसी के जीवन की गुणवत्ता में नकारात्मकता और गिरावट लाती है।

बता दें कि राज्यपाल गहलोत के पास सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भी था। 7 वर्षों तक आपने नशा मुक्ति कार्यक्रम बनाए और लागू किए और समाज को व्यसनों से मुक्त करने का प्रयास किया। उन्होंने कई पुनर्वास का दौरा भी किया है।

राज्यपाल ने कहा कि अपने विचार शक्ति के माध्यम से कोई भी कुछ भी हासिल कर सकता है और सफलता प्राप्त कर सकता है। एक शक्तिशाली विचार भी हमें बना सकता है व्यसन-मुक्त। यह सिर्फ एक लत नहीं है, बल्कि अगर हमारी कोई और भी आदत है जिसे हम छोड़ना चाहते हैं तो हम अपनी ताकत के जरिए ऐसा कर सकते हैं। मैंने अपने विभाग के माध्यम से पंजाब क्षेत्र में 28 नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किए हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें इनसे लाभ हुआ। समस्त सभा ने नशामुक्ति की शपथ/प्रतिज्ञा ली। नशीली दवाओं को ना कहें और जीवन को हाँ कहें।

ब्रह्माकुमारीज के कार्यकारी सचिव राजयोगी डॉ. बीके मृत्युंजय और एडीआरएम (ए), एसडब्ल्यू रेलवे कुसुमा हरिप्रसाद ने सभी प्रकार की लत और नशामुक्ति के लाभों पर बात की। मेडिकल विंग के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके बनारसीलाल शाह ने कहा कि संस्था के भाई-बहनें पूरे उत्साह के साथ अभियान को गति देने में जीजान से जुटे हैं। माइंड ट्रेनर डॉ. बीके सचिन परब द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के लक्ष्य और उद्देश्य बताया। वीवी पुरम, बेंगलुरु सबजोन प्रभारी राजयोगिनी बीके अंबिका दीदी ने संचालन किया। कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से आए तीन हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसके बाद लोगों को संदेश देने के लिए बाइक रैली निकाली गई।

रियल लाइफ

हम लिख कर देते हैं कि हमें पूर्ण निश्चय हो चुका है...

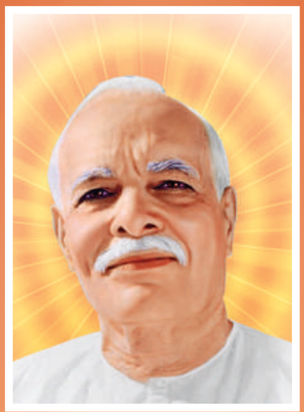

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

लोगों में उत्सुकता बनी रहती थी कि शिव बाबा, ब्रह्मा बाबा के तन में कैसे आते होंगे।

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आख़िर इन्द्र ने पूछा कि कौन परी इस विकारी दृष्टि तथा अशुद्ध वृत्ति वाले मनुष्य को इन्द्र सभा में लाई है? आख्यान में बताया गया है कि इन्द्र ने उस मनुष्य के साथ परी को भी सभा से निकाल दिया और वह परी मृत्युलोक में एक वृक्ष बन गई। बाबा यह आख्यान सुना कर समझाते हैं कि यह आख्यान इसी इन्द्र सभा के बारे में है। ज्ञान और योग के परों से युक्त व्यक्ति, यदि इस कलियुगी मृत्युलोक के किसी वासनायुक्त मनुष्य को यहां शिव बाबा के पास तथा ब्रह्मा बाबा के पास अर्थात् ज्ञानामृत की वर्षा करने वाले इन्द्र की सभा में लाता है तो वह यहां के पवित्र, तपस्या से निर्मल हुए वातावरण को बिगाड़ने का दोषी बनता है और इस पाप का दण्ड भोगता है। क्यों कोई मनुष्य कभी भी वृक्ष नहीं बनता। परन्तु बाबा कहते हैं कि वह यज्ञ-वत्स वृक्ष की तरह अवाक् अथवा मूक (गूंगा) बन जाता है अर्थात् वह सांसारिक बातें करते।

इस प्रकार जिज्ञासुओं को पवित्र बनने की प्रेरणा भी मिलती और उन्हें यह सोच कर खुशी भी होती कि इस सत्संग अथवा यज्ञ के कुछ नियम हैं और ये ब्रह्माकुमारी बहनें इन नियमों पर बहुत दृढ़ रहती हैं। कुछ जिज्ञासु तो पवित्रता की धारणा के लिए पुरुषार्थ करते थे और कई तो हताश होकर छोड़ भी जाते थे। वे कहते कि यह बड़ी ऊँची मंज़िल हैं, यहाँ के बहुत कठिन नियम हैं, हम इन पर नहीं चल सकते। कई ऐसे भी होते जो कहते -'हम इस एक जन्म में प्रभु के लिए सबकुछ करने को तैयार हैं। काम विकार तो है ही 'नरक का द्वार' इसे छोड़ना क्या कठिन है? जबकि इसे छोड़ने से हमें प्रभु मिलते हैं, इसे तो हम एक सेकण्ड में छोड़ देंगे।

अन्य कोई जिज्ञासु कहते - बहन जी, हम तो सम्पूर्ण निश्चय-बुद्धि हैं। हम कम-से-कम एक मास से तो ब्रह्मचर्य व्रत का पालन कर रहे हैं। हमारा खान-पान अब शुद्ध है। हमारे संस्कारों में भी परिवर्तन आया है। हम आपको लिख कर देते हैं कि हमें पूर्ण निश्चय हो चुका है। अब उस बाप को मिलने के लिए हमारा मन तड़प रहा है। ऐसे जिज्ञासुओं को बहनें बापदादा और यज्ञ-माता के सामने ले जातीं।

यज्ञ-माता और यज्ञ-पिता परमात्मा से आत्माओं का अनोखा मिलनः ब्रह्माकुमारी जानकी जी कहती हैं कि जब अपने-अपने नगर से जिज्ञासु रेलगाड़ी में सवार होते तो उनके मन की अवस्था अजीब-सी होती थी। उनकी बुद्धि में बस यही विचार होता था कि हम बह्मा बाबा, शिव बाबा तथा सरस्वती मैया से मिलने जा रहे हैं। जैसे-जैसे स्टेशन गुजरते जाते उनके मन की उत्कण्ठा बढ़ती जाती। आबू रोड जाकर जब वे उत्तरते तो उन्हें सामने से पहाड़ दिखते और वे सोचते कि बस अब तो ऊपर बाबा हमारी इन्तजार में होगे! न जाने उनके मन में एक अपनापन क्यों महसूस होता और मिलने से पहले ही यह भाव क्यों उमड़ पड़ता कि हम अपने सच्चे बाप के पास अथवा अपने घर जा रहे हैं। उन्हें एक अजीब-से आकर्षण का अनुभव होता।

आख़िर वे ऊपर आबू पर्वत पर 'यज्ञ' में जा पहुँचते। बाबा द्वारा पहले ही यज्ञ-वत्सों को आदेश होता था कि आने वाले जिज्ञासुओं को कहां ठहराना है तथा उनकी कैसे व्यवस्था होनी चाहिए। बाबा कहते-मेरे सिकीलधे बच्चे आए हैं। कल्प से बिछड़े हुए बच्चे आन मिले हैं। देखना, इन्हें किसी प्रकार का कष्ट न हो। माया ने इन्हें जन्म-जन्मान्तर दुःखी किया है और थका दिया है। अब ये बाप के घर आए हैं। आत्मा की थकावट दूर करने अतः इन्हें स्थूल और सूक्ष्म सभी सुविधाएं देना। वह शुभ घड़ी भी आ पहुंचती जब उन जिज्ञासु आत्माओं को ब्रह्मा बाबा और शिव बाबा के सामने ले जाया जाता और सभी यज्ञ-वत्स भी आसपास बैठे देख रहे होते कि ये हमारे नए भाई-बहन आए हैं। बाबा और मम्मा के सामने बैठे हुए वे जिज्ञासु अपने मन में बड़े प्रसन्न होते। यहाँ आने से पहले तो उनके मन में यह प्रश्न अथवा उत्सुकता बनी रहती थी कि शिव बाबा, ब्रह्मा बाबा के तन में कैसे आते होंगे। उनकी प्रवेशता को हम कैसे जान पायेंगे। शिव बाबा से हमारा मिलन कैसा होगा! **क्रमशः**

प्रेरणापुंज

बाबा पढ़ा रहा है, मैंने ताउम्र खुद को विद्यार्थी समझा

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

सांस रूक जाए तो ऑक्सीजन देते हैं। कभी हमसे नहीं होता है तो बाबा सकाश देता है। कुछ बच्चे योग्य नहीं हैं फिर भी बाबा करा लेता है।

जिसका मुरली से प्यार है वो मास्टर मुरलीधर है। सिर्फ मेरा संबंध सच्चाई का शक्तिशाली हो। मदद तो बाबा देता है लेकिन जो मदद बचपन में देता है वो अब तो नहीं देगा। बच्चा समझ के चलाएगा क्या? जब छोटे होते हैं तो बाबा बहुत मदद करता है। फिर बड़े होने पर तेरा-मेरा, स्वभाव-संस्कार आदि सब आता है। फिर आता है हमारी याद कहां तक है? जो बाबा ने हमें टीचर के रूप में पढ़ाया, वो हमारी स्टडी कहां तक है?

राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

आज दिन तक हमारी स्टूडेंट लाइफ है। दुनिया में ऐसी कोई जगह नहीं जहां हम लोगों जैसी दिनचर्या हो। जितना हमारे संकल्प शुद्ध, शांत, श्रेष्ठ हैं तो दृढ़ आटोमेटिक होते हैं। शुद्ध और शांत वाला संकल्प जरूर राइट आएगा, जिसमें हमारी कोई सेवा समाई होगी। सेवा दूसरों की है, लेकिन मैं संकल्प चलाऊं, यह आवश्यक नहीं है। उससे शुद्ध शांत रहूं जिसको बाबा ने कहा- मनोबल। जितना मनोबल है उतना अच्छा और खुद के लिए जरूरी है। वो शक्ति जितना जमा करो उतना दिनभर में काम आती है। रूहानी राहत में रहने देती है। लेकिन अगर मैं कहीं भी एनर्जी वेस्ट करती हूं तो किसी को भी अनुभव नहीं करा सकती हूं। बुद्धि की लाइन क्लीयर नहीं होगी तो दूसरी आत्मा को ऐसा अनुभव कैसे होगा। तो एक है बाबा के बच्चे हैं। छोटे हैं तो बाबा मदद करता है। दूसरा है जितना याद में रहते हैं उतना मदद करता है। जितना पढ़ाई में अच्छे रहेंगे, उतनी मदद है। कभी कोई भी स्टेज पर जाएंगे बाबा हमारी लाज रखेगा।

आजकल कई बातों में बाबा की सकाश मिल रही है। जैसे खुद का सांस रूक जाए तो ऑक्सीजन देते हैं। कभी हमारे से नहीं होता है तो बाबा सकाश देता है। कुछ बच्चे योग्य नहीं हैं फिर भी बाबा की सकाश कार्य करा लेती है। वो भी मिलती है अंदर की सच्चाई से। किसको सच्चा बनने में टाइम लगा है। सदा सच्चा होकर रहना आसान बात नहीं है। देह-अभिमान सच्चा बनने नहीं देता है। लेकिन कोई-कोई बच्चे अति सच्चे होते हैं जो जरा भी मिक्स नहीं कर सकते हैं। ऐसी बिरली आत्माओं को बाबा की अंदर गुप्त सकाश बहुत मिलती है। जितना पुरुषार्थ है उतनी मदद है। बाबा अपनी सेवा कराने अर्थ मदद करता है। मददगार जो बनते हैं उनको मदद मिलती है।

बाबा ने हम बच्चों को निमित्त बनाकर हाथ में ग्लोब दे दिया है। अब फिर कहते हैं बेहद में ये सेवाएं फैलाओ। ग्लोब के ऊपर बैठो, साक्षी होकर देखो- क्या हो रहा है। वो तभी होगा जब छोटी-छोटी बातों से अपने को छुड़ाएंगे। छोटी-छोटी बातें ठीक हो जाएंगी- ये गैरंटी है, विश्वास है। विश्वास तभी बैठता है जब मेरी अपनी भावना प्योर हो, निश्चय हो। विश्वास बड़ी चीज है खुद में और भगवान में विश्वास हो। विश्वास होता है बुद्धि से और भावना होती है दिल से।

अव्यक्त इशारे

याद और सेवा में अलर्ट रहेंगे तो अलबेलापन से दूर रहेंगे

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

किसकी गलती देख करके अपने में धारण करना या व्यर्थ संकल्प चलाना, इसमें टाइम भी वेस्ट किया और खुद भी नीचे गिरे।

जो परमात्मा बाबा सभी को याद प्यार देता है। ऐसा बाबा तो सतयुग में भी नहीं मिलेगा। रोज भगवान हमको याद करे- कम बात है क्या और ऐसा मीठा याद प्यार तो कोई भी नहीं देता जो इतना टाइटल दे करके याद-प्यार दे। मिलेगा, कोई ढूँढकर आओ सारे कल्प में चक्र लगाओ, मिलेगा। नहीं न मिला, न मिलेगा लेकिन हम नशे से कहेंगे कि हमको तो मिला है, मिलेगा नहीं। यह नशा चढ़े उतरे नहीं क्योंकि अभ टाइम बहुत कम है। कभी भी कुछ भी हो सकता है।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

वर्तमान समय देखने में आता है कि अलबेलापन बहुत रूपों में आता है। सभी में समझ तो बहुत अच्छी आ गई है। एक-एक प्वाइंट पर बहुत अच्छा भाषण कर सकते हैं। प्वाइंटस है, समझ है लेकिन चाहते भी नहीं होता है। उसका कारण - अलबेलापन है। मुझे करना ही है वह नहीं है, करना है लेकिन देखेंगे, सोचेंगे, समय आयेगा, कर लेंगे। अभी ऐसा अलबेलापन नहीं चाहिए। अलबेलापन भी कई प्रकार का है, औरों को देख करके भी अलबेलापन आता है। अभी तो सब चल रहे हैं। अभी कौन सम्पूर्ण बना है, बड़े-बड़े ही नहीं बना है, हम तो हैं ही पीछे। अभी बड़े तो पास हो जायेंगे, रह कौन जायेगा अलबेलापन वाले। बड़ों की भी कोई किस समय गलती हो सकती है, अभी बाबा के पास का सर्टिफिकेट किसको भी नहीं दिया है। एक बार मम्मा ने कहा देखो तुम सोचती हो - यह बड़ा महारथी भी ऐसा करता है, मैंने किया तो क्या हुआ। एक तो जिस समय वह गलती करता है उस समय वह महारथी है ही नहीं, पुरुषार्थी है। कभी महारथी है, कभी गलती करता है तो नीचे भी आता है और दूसरा मानों हमने उसकी कमी देखी, वह भी तो अपनी कमी को छोड़ रहा है ना, तो वह अपनी कमी को निकाल रहा है और हम उसकी निकाली हुई चीज अपने में धारण कर रहे हैं।

मम्मा ने कहा कि किसकी गलती देख करके अपने में धारण करना या व्यर्थ संकल्प चलाना, इसमें टाइम भी वेस्ट किया और खुद भी नीचे गिरे। इसके लिए तुम ऐसी सीन सामने लाओ जैसे बहुत गन्दा एक गटर बह रहा है और कोई गटर का पानी बहुत मौज से पी रहें हैं। यानी दूसरे की छोड़ने वाली खराब जो वह खुद ही छोड़ रहा है और आ ले रहे हो। मम्मा मिसाल देती थी तो जब भी हमें किसी की कमी दिखाई देती थी तो हम कहते थे, यह तो गटर का पानी है। कई जो सोचते हैं कि यह तो चलता है, टाइम पर हो ही जायेगा। बस एक मास थोड़ा बन्धन है, एक मास के बाद मैं फ्री हो जाऊँगी। अरे एक मास के बाद तुम होगी या नहीं होगी भरोसा है। कोई तारिख लेकर आया है क्या? हमने देखा है कि बहुत करके जो कहते हैं एक मास के बाद फ्री हो जाऊँगी, एक मास के बाद उसके सामने और ही दूसरी बड़ी बात आ जाती है। यह तो भरोसा ही नहीं है कि हम मास भर रहेंगे भी या नहीं। तो अलबेलापन हमें अलर्ट होने नहीं देता है।

रेडिसन ब्लू होटल में दिव्य समर्पण समारोह आयोजित

संयम पथ... शिव को साजन के रूप में स्वीकारा

शिव आमंत्रण, पश्चिम बिहार/दिल्ली।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से रेडिसन ब्लू होटल के मैपल गोल्ड परिसर में पश्चिम विहार ए-3 सेवाकेंद्र की तीन बीके बहनों का सम्मान और छह बहनों का समर्पण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बीके सरिता बहन, बीके रेणु बहन, बीके रीना बहन ने अपना जीवन समर्पित किया। वहीं बीके संजना बहन, बीके कोमल बहन, बीके प्रियंका बहन, बीके शालिनी बहन, बीके भावना बहन एवं बीके संजू बहन को समर्पित का बैज प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में हरी नगर, दिल्ली की निदेशिका राजयोगिनी शुक्ला दीदी ने समर्पित होने वाली बहनों को बैज देते हुए कहा कि जीवन वही श्रेष्ठ है जो प्रभु के नाम समर्पित हो जाए। विश्व कल्याण के लिए इन कन्याओं ने जो सर्वस्व आज समर्पित किया है, इससे महान कार्य और कुछ भी नहीं हो सकता। इस दौरान बहनों ने प्रतिज्ञा पत्र पढ़ते हुए कहा कि अब हमारा जीवन शिव पिता पर समर्पित है। हमारा तो एक शिव बाबा दूसरा न कोई। इन बहनों के माता-पिता ने भी प्रतिज्ञा ली। फिर सभी कन्याओं ने मंच पर बने शिवलिंग की परिक्रमा की एवं माला पहनाई। मधुबन से पधारे गायक भानु भाई ने गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पश्चिम विहार सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुषमा दीदी और बीके रमेश के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेपाल दूतावास के सदस्य रेवती रमण पौदेल, रेडिसन ब्लू होटल के बीके मनमोहन भाई अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संचालन नारनौल की बीके कमल बहन ने किया।

शिव आमंत्रण, पानीपत (हरियाणा) । ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर पर बीके मोनिका बहन और बीके दीपा का समर्पण समारोह आयोजित किया गया। साथ ही 108 दिन की योग-तपस्या भट्टी का शुभारंभ किया गया। समारोह में 1200 से अधिक भाई-बहनों ने भाग लिया। इसमें यूरोप के सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी सुदेश दीदी पधारी। बीके राज बहन, बीके शामली बहन, बीके प्रेम बहन, बीके कमलेश बहन, बीके रमेश बहन, बीके शैली बहन भी मौजूद रहीं। बीके भारत भूषण, सर्कल इंचार्ज बीके सरला दीदी और समर्पित होने वाली कन्याओं के साथ उनके मात-पिता एवं सगे सम्बन्धी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सुदेश दीदी ने कहा कि जीवन वही श्रेष्ठ है जो प्रभु के नाम समर्पित हो जाये। विश्व कल्याण के लिए जीवन समर्पित करने से बड़ा महान कार्य कुछ नही हो सकता है।

दो बेटियों ने विश्व सेवा में अर्पित किया अपना जीवन

शिव आमंत्रण, रोहतक (हरियाणा)।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से भाजपा कार्यालय ग्राउंड में दो बहनों का दिव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र से लेकर कार्यक्रम स्थल तक रथ में बैठकर दोनों बहनों की शोभायात्रा निकाली गई। दिल्ली से पधारीं महिला विंग की अध्यक्ष राजयोगिनी बीके चक्रधारी दीदी ने कहा कि धन्य हैं वह माता-पिता जिन्होंने ऐसी कन्याओं को जन्म दिया कि स्वयं परमात्मा को ही अपना पति स्वीकार कर लिया। यही सच्ची-सच्ची सतयुग में आने वाली देवियां हैं। सभी अतिथियों का चुन्नी पहनाकर, तिलक लगाकर और बुके देखकर स्वागत किया गया। समर्पण करने वालीं दोनों बहनों बीके कुसुम बहन और बीके सीमा बहन को राजयोगिनी चक्रधारी दीदी ने फूलों की माला पहनाई। कार्यक्रम में सच्चा समर्पण क्या है एक ड्रामा दिखाया गया। रोहतक सेवाकेंद्र इंचार्ज बीके रक्षा दीदी ने स्वागत भाषण दिया। एलपीएस के एमडी राजेश जैन मौजूद रहे। इस दौरान दोनों बहनों ने शिवलिंग पर माला अर्पण की और अपने जीवन के अनुभव सांझा किया। बीके वासुदेव भाई ने आभार प्रकट किया। संचालन महम की बीके चेतना दीदी ने किया।

तीन बहनों ने अपनाया संयम का मार्ग

शिव आमंत्रण, मुरादाबाद (उप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ के न्यू सिविल लाइंस आत्म ज्योति भवन सेवाकेंद्र के उद्घाटन पर तीन बहनों का समर्पण समारोह आयोजित किया गया। इसमें जर्मनी से पधारीं राजयोगनी बीके सुदेश दीदी, गुजरात से आईं बीके सरला दीदी, सूरतगढ़ राजस्थान से पधारीं बीके रानी दीदी, पूर्व आईएएस सीताराम मीणा ने भाग लिया। समारोह के पूर्व मुरादाबाद क्लव तक रथ यात्रा निकाली गई। इस दौरान बीके रीना, बीके लक्ष्मी, बीके सुजाता ने त्याग-तपस्या की राह चलते हुए अपना जीवन ईश्वरीय सेवा में समर्पित करने का संकल्प लिया। संचालन बीके विशाल भाई ने किया। प्रभारी बीके आशा दीदी ने राजयोग के बारे में बताया।

धन्य हैं वह मात-पिता जो विश्व सेवा के लिए अपनी बेटी का कन्यादान करते हैं

शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र)। छतरपुर की दो बेटियों बीके मेधा बहन और बीके श्रद्धा बहन ने तपस्या के मार्ग पर चलते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउंट आबू में आयोजित समारोह में समर्पण किया। इसके बाद प्रथम नगर आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ किशोर सागर द्वारा बधाई समारोह कार्यक्रम संस्कार वाटिका में धूमधाम से आयोजित किया गया।

सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा ने कहा कि समर्पण का अर्थ है तन-मन सहित श्वांस, समय, संकल्प स्वप्न हर चीज प्रभु को अर्पित की जाए क्योंकि यह केवल समर्पण नहीं बल्कि मैं और मेरेपन की समाप्ति और तेरा अर्थात तेरा तुझको अर्पण की भावना है, जो हम प्रभु के समक्ष करते हैं। ब्रह्माकुमारी बनना कोई साधारण बात नहीं है। कई जन्मों की नवधा भक्ति का फल है जो हमें स्वयं भोलानाथ पार्वती के रूप में स्वीकार करते हैं। धन्य हैं वह मात-पिता जो विश्व सेवा के लिए अपनी बेटी का ईश्वर अर्थ कन्यादान करते हैं।

माउंट आबू से पधारे बीके युगरतन भाई ने गीतों की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की गईं। कार्यक्रम में दिल्ली से बीके संगीता, कानपुर से बीके अलका मुख्य अतिथि के रूप में पधारीं। खजुराहो सेवाकेंद्र से बीके विद्या, नौगांव से बीके नंदा सहित छतरपुर की सभी तहसीलों की ब्रह्माकुमारी बहनें उपस्थित रहीं। बीके मेधा और बीके श्रद्धा ने अपने अनुभव सांझा किया।

संपादकीय

अध्यात्म से ही आएगी विश्व शांति

कालचक्र के वर्तमान समय में विश्व में हो रही विनाशकारी घटनाओं से पूरे विश्व में डर और अशांति का माहौल देखने को मिल रहा है, जिससे विश्व की सभी आत्मायें शांति की तलाश में हैं। पर उन्हें क्षणिक शांति ही मिल पा रही है। अगर हमें वाकई में सच्ची शांति चाहिए तो हमें अध्यात्म की तरफ वापस लौटना होगा। अध्यात्म हमें हमारी आत्मा से जोड़ता है अर्थात यह अंतर्जगत की एक ऐसी यात्रा है जिसमें हम अपने मन और बुद्धि को अपनी आत्मा की तरफ मोड़कर परमपिता परमात्मा से जुड़ते हैं। शांति के सागर से असीम शांति की किरणें हमारी आत्मा में भरकर पूरे विश्व में शांति का प्रकम्पन फैलाते हैं। अंत में एक समय ऐसा आएगा जब हमारी चेतना का सम्पूर्ण विकास होगा। हमारे सारे विकार और वासनाएं समाप्त हो जाएंगी। ब्रह्माकुमारीज़ के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का जीवन मिसाल है। जिनके शांति के संकल्प और मार्ग आज पूरे विश्व में लाखों लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। इन लोगों ने अपने आचरण और व्यवहार से समाज में यह साबित कर दिखाया है कि यदि इंसान को सही ज्ञान, मार्गदर्शन मिले तो बदलाव संभव है। साथ ही अध्यात्म का ज्ञान और मेडिटेशन के बल पर ही विश्व को एक सूत्र में बांधा जा सकता है। जरूरत है तो हमें अपनी विचारधारा को वृहद करने की। समय की यही मांग है कि अब बदलाव की जरूरत है। सारे विश्व की निगाहें भारत की ओर हैं क्योंकि भारत में पुरातन संस्कृति अध्यात्म और योग हमें वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना सिखाती है। सर्व भवंतु सुखिनः की भावना और सोची वाली हमारी संस्कृति है।

बोध कथा/जीवन की सीख

सुनने की क्षमता का महत्व

एक साल जंगल में बिताने के बाद युवराज अपने राज्य को लौटना चाहता था, पर गुरु की बात को टाल भी नहीं सकता था, इसलिए वह बेमन ही जंगल की ओर बढ़ चला। कई दिन गुजर गए पर युवराज को कोई नई आवाज़ नहीं सुनाई दी। वह परेशान हो उठा। उसने

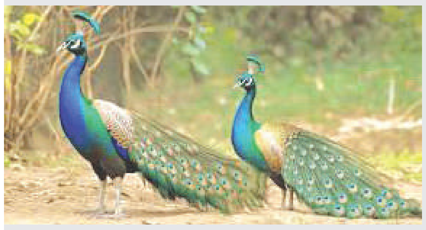

निश्चय किया कि अब वह हर आवाज़ को बड़े ध्यान से सुनेगा। फिर एक सुबह उसे कुछ अनजानी सी आवाजें हल्की-हल्की सुनाई देने लगीं। इस घटना के कुछ दिनों बाद वह गुरु के पास वापस लौटा और बोला- पहले तो मुझे वही ध्वनियां सुनाई दीं जो पहले देती थीं, लेकिन एक दिन जब मैंने बहुत ध्यान से सुनना शुरू किया तो मुझे वो सुनाई देने लगा जो पहले कभी नहीं सुनाई दिया था। मुझे कलियों के खिलने की आवाज सुनाई देने लगी। मुझे धरती पर पड़ती सूर्य की किरणों, तितलियों के गीत और घांस द्वारा सुबह की ओस पीने की ध्वनियां सुनाएं देने लगीं।

यह सुनकर गुरुजी खुश हो गए और मुस्कुराकर बोले- अनसुने को सुनने की क्षमता होना एक अच्छे राजा की निशानी है। क्योंकि जब कोई शासक अपने लोगों के दिल की बात सुनना सीख लेता है। बिना उनके बोले, उनकी भावनाओं को समझ लेता है, जो दर्द बयां न किया गया हो उसे समझ लेता है, अपने लोगों की अनकही शिकायतों को सुन लेता है, केवल वही अपनी प्रजा का विश्वास जीत सकता है। कुछ गलत होने पर उसे समझ सकता है और अपने नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं को पूरी कर सकता है।

संदेश: अगर हमें अपनी फील्ड का लीडर बनना है तो हमें भी वो सुनना, सीखना चाहिए जो नहीं कहा गया है। यानी हमें उस युवराज की तरह बिलकुल अलर्ट होकर अपना काम करना चाहिए और अपने साथ काम करने वालों की ज़रूरतों और भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए। तभी हम खुद को एक टू लीडर की तरह स्थापित कर सकेंगे।

मेरी कलम से

जीके गुप्ता, ज्वाइंट जनरल मैनेजर, सिस्टम, इफको, फुलपुर प्लांट, इलाहाबाद

राजयोग के अभ्यास से बदला व्यवहार, कंपनी में टीम भावना का हुआ विकास

श्रमिक से लेकर अधिकारियों ने सीखा राजयोग ध्यान

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिए जा रहे ज्ञान से गुस्सा नियंत्रित करने में और संयम बरतने में मदद मिलती है। जब से मैंने यहां से प्रशिक्षण लिया है, तब से हमारे व्यवहार में परिवर्तन आया है। मैं पहले की अपेक्षा और अधिक अच्छे ढंग से लोगों से व्यवहार कर पाता हूं। आप कुछ भी करो लेकिन दो मिनट साइलेंस में बैठने से परिस्थिति और परेशानियां स्वतः ही समाप्त हो जाती है। हमारे अंदर जो कुछ चल रहा है वह आत्मा ही चला रही है।

हमारे प्लांट से श्रमिक से लेकर अधिकारी सभी लोग यहां भेजे जाते हैं। जब से हमारी कंपनी में यह ट्रेनिंग प्रोग्राम चल रहा है तब से अप्रत्यक्ष रूप से वहां के कल्चर में परिवर्तन आया है और लोगों में टीम वर्क की भावना बढ़ी है। इफको के पांचों जोन के प्रतिनिधि यहां आते हैं उसे कंपनी यहां भेजती है। कंपनी के अंदर एक फै मली कल्चर का वातावरण बन गया है। वहां किसी को यह महसूस ही नहीं होता है कि कौन यहां नया है और कौन पुराना है। ब्रह्माकुमारी• द्वारा दी जा रही वैल्यूज की शिक्षा से हमारे कंपनी को और स्वयं को दोनों को ही फायदा मिलता है।

आदमी कैसा भी हो वह यहां आकर ट्रेनिंग लेता है तो उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव अवश्य ही आता है। हमारे यहां तो लोगों को माउण्ट

आबू आने के लिए क्यू लगी रही है और लोग धैर्यता से यहां आने की प्रतीक्षा करते हैं। राजयोग मेडिटेशन का कमाल है कि व्यक्ति का सोचने का नजरिया पूरी तरह से बदल जाता है। चीजों को लेकर हमारा नजरिया सकारात्मक और आशावादी हो जाता है।

सनातन परंपरा में आत्म परिष्कार द्वारा उच्चतम स्वरूप

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 65

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

आबू रोड (राजस्थान)।

आत्मगत परिवर्धन के उच्च आयाम का शुभारंभ पवित्र भाव एवं भासना मनोभाव से प्रस्फुटित होकर उच्चतम भावना के साथ सुखदायी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग की पृष्ठभूमि में पहुंचकर - श्रेष्ठ , शुभ और पवित्र विचार के रूप में क्रियान्वित होते हैं। जीवात्मा के आगमन एवं प्रस्थान के मध्य आत्मिक पुरुषार्थ की अनुगूँज का सर्वोपरि पक्ष आत्मगत पवित्रता की अनवरत अनुभूति है जिसकी अक्षुण्यता से श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र विचार का मालिक बनकर देवात्मा के स्वरुप में स्थापित हुआ जा सकता है। सनातन परम्परा में परिष्कृत चेतना का पवित्र उल्लेख मानवीय संवेदनशीलता के जागृत मनोभाव का परिचायक है जो निज अस्तित्व को सात्विक स्वरुप में रूपांतरित करके आत्मानुभूति के माध्यम से परिमार्जन की क्रिया एवं गुणात्मक परिवर्धन की व्यवस्था से आत्म परिष्कार को सुनिश्चित करता है।

आत्मगत परिवर्धन के उच्च आयामः मानवीय चिन्तनशीलता की विराटता में सर्व धर्म समभाव के संदर्भ एवं बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के कल्याणकारी प्रसंग का समायोजन किया जाना सम्पूर्ण विकास की अवधारणा का आधारभूत स्वरुप है, जिसमें आत्मगत परिवर्धन की भावभूमि पूर्णतः सन्निहित रहती है। सूक्ष्म जगत का परिष्कृत स्वरुप आत्म उत्थान में विकसित परिवेश के प्रति अगाध श्रद्धा से भरपूर होता है जो सदा- सर्वे भवंतु सुखिन व्यापकता को अंतर्मन से स्वीकार करते हुए वसुधैव कुटुम्बकम के विशाल परिदृश्य में समाहित हो जाता है। आत्मगत परिवर्धन के उच्च आयाम का शुभारंभ पवित्र भाव एवं भासना मनोभाव से प्रस्फुटित होकर उच्चतम भावना के साथ सुखदायी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग की पृष्ठभूमि में पहुंचकर - श्रेष्ठ, शुभ और पवित्र विचार के रूप में क्रियान्वित होते हैं।

पुण्यात्मा से महान आत्मा की उच्चताः जीवात्मा द्वारा आत्मगत पुरुषार्थ में सम्मिलित -त्याग, तपस्या एवं सेवा के फलितार्थ जब पुण्यात्मा से महान आत्मा की उच्चता में रूपांतरित हो जाते हैं तब धर्मात्मा के श्रेष्ठतम स्वरुप का अभ्युदय सुनिश्चित होता है। आत्मिक परिवर्धन हेतु आध्यात्मिक पुरुषार्थ के अवगाहन की अनिवार्यता को साधकर आत्महित के लिए निरंतर पवित्र चिंतन से आत्मानुभूति द्वारा सम्पूर्ण रूप से परिष्कृत हो जाना ही आत्मानंद का नैसर्गिक गुणधर्म है। जीवन में पुण्य की पहल का शुभारंभ करने से लेकर पुण्य के एकत्रीकरण की प्रक्रिया में ईश्वरीय स्मृतियों का विशिष्ट योगदान होता है, जिसके अंतर्गत आत्मा स्वयं के निमित्त, निर्माण एवं निर्मल स्वरूप को आत्मसात करते हुए यह सुनिश्चित कर पाती है कि जीवन में पवित्र कार्य की जिम्मेदारी और जवाबदेही हेतु मुझ आत्मा को परमेश्वर ने चयनित किया है यह मेरे जीवन के सर्वाधिक सौभाग्य का स्वरूप है।

सनातन परम्परा में आत्म परिष्कारः संस्कारगत सृजनशीलता के मौलिक आयाम आत्मिक परिष्कार हेतु समर्पित मनः स्थिति द्वारा सनातन परम्परा के अनुसार सम्पन्नता के आत्मगत सुदृढ़ स्वरुप को जीवन की परिवर्तनकारी चुनौती से सुखद परिणाम की संतुष्टिजनक प्राप्ति के रूप में स्वीकार करते हैं। आध्यात्मिक जीवन में आत्म तत्व स्वयं को सदा कर्मबंधन से मुक्त करके उपराम स्थिति में रखता है, ताकि कर्मक्षेत्र के संबंध से इतर कर्मातीत अवस्था की उच्चता को ग्रहण करके आत्मानुभूति से परमात्मानुभूति के परमलक्ष्य को अव्यक्त स्वरुप में रहकर अनुभव किया जा सके। जीवात्मा के आगमन एवं प्रस्थान के मध्य आत्मिक पुरुषार्थ की अनुगूंज का सर्वोपरि पक्ष आत्मगत पवित्रता की अनवरत अनुभूति है। जिसकी अक्षुण्यता से श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र विचार का मालिक बनकर देवात्मा के स्वरुप में स्थापित हुआ जा सकता है।

आत्मानुभूति के माध्यम से परिमार्जनः आध्यात्मिक अनुसंधान की क्रियाविधि में आत्मा के अध्ययन का उन्नति के शिखर की ओर अभिमुखित आभामंडल सदा उर्ध्वगामी परिष्कृत चिंतन के नित-नूतन संस्करण एवं प्रेरणादायी संस्मरण द्वारा आत्मिक संपन्न स्वरुप के निर्माण हेतु गतिशील रहते हैं। सनातन परम्परा में परिष्कृत चेतना का पवित्र उल्लेख मानवीय संवेदनशीलता के जागृत मनोभाव का परिचायक है जो निज अस्तित्व को सात्विक स्वरुप में रूपांतरित करके आत्मानुभूति के माध्यम से परिमार्जन की क्रिया एवं गुणात्मक परिवर्धन की व्यवस्था से आत्म परिष्कार को सुनिश्चित करता है । जीवन में आत्म अनुभूति के द्वारा ही आत्मा का परिष्कृत स्वरूप आत्मानुभूति का महत्वपूर्ण केंद्र बन पाता है जिससे जीव जगत के मध्य स्वयं का निर्माण करते हुए निर्वाण की और गतिशील हो जाना ,जीवात्मा के लिए अत्यधिक सहज हो जाता है।

ऐसी वाणी बोलिये, मन का आप खोये। औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होये।।

- संत कबीर दास

कोई भी व्यक्ति छोटा या बड़ा अपने जन्म के कारण नहीं बल्कि अपने कर्म के कारण होता है। व्यक्ति के कर्म ही उसे ऊंचा या नीचा बनाते हैं।

- संत रैदास

अंबाला सिटी में युगल सम्मान समारोह आयोजित

ब्रह्माकुमारी से जुड़े युगल लोगों के लिए मिसाल हैं : विधायक

शिव आमंत्रण, अंबाला सिटी।

कई वर्षों से गृहस्थ में रहते हुए पवित्र राजयोगी जीवन जी रहे युगलों का सम्मान समारोह राजयोग केंद्र 16, कांच घर सेवाकेंद्र द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक असीम गोयल ने कहा कि आज ब्रह्माकुमारी संस्था के यह जो 20 युगल स्टेज पर मौजूद हैं यह मिसाल हैं उन सब के लिए जो आज संबंधों को स्वार्थ भाव या फिर किसी मतलब के लिए निभा रहे हैं। ब्रह्माकुमारी के कार्यक्रम में जाकर गहन शांति की अनुभूति होती है। अतिरिक्त मुख्य

प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी ने कहा आज का मनुष्य इतना व्यस्त हो गया है कि वह स्वयं के साथ स्वयं के संबंध को ही भूल गया है। वह ये भूल गया है कि परमपिता परमात्मा के साथ उसका क्या संबंध है। बीके अनिता दीदी, बीके ओमप्रकाश भाई, बीके प्रेम दीदी, बीके उत्तरा दीदी, सेवाकेंद्र संचालिका बीके सरोज दीदी, उप संचालिका बीके शिवानी दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

राज्य स्तरीय वार्षिक आध्यात्मिक सम्मेलन

ब्रह्माकुमारी बहनें समाज को सही दिशा प्रदान कर रहीं: मंत्री

शिव आमंत्रण, सुन्नी/शिमला (हिप्र)।

ब्रह्माकुमारीज उप सेवाकेंद्र पर राज्य स्तरीय वार्षिक आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के 118 गांव के ग्रामीणों ने भाग लिया। सम्मेलन में हिमाचल सरकार में लोक निर्माण, युवा एवं खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मानवीय मूल्य हमारे समाज से ओझल हो रहे हैं और अल्पकाल की ख़ुशी के लिए लोग नशा का सेवन करके अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। ब्रह्माकुमारी बहने समाज को सही दिशा प्रदान करके गांव-गांव में जाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं। पंजाब जोन की

निदेशिका बीके प्रेम दीदी, बीके उत्तरा दीदी, बीके संगीता दीदी ने भी संबोधित किया। माउंट आबू से पधारे राजयोगी बीके प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर शिमला ग्रामीण के मंडल अध्यक्ष गोपाल शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, तहसीलदार ने भी मौजूद रहे। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शकुंतला ने आभार माना।

सांसद तीरथ सिंह रावत ने किया प्रदेश स्तरीय समाजसेवा अभियान का शुभारंभ

सेवा-त्याग की भावना से आता है उमंग

शिव आमंत्रण, श्रीनगर गढ़वाल।

ब्रह्माकुमारीज की ओर से चलाए जा रहे मूल्य आधारित सेवा द्वारा समृद्ध समाज की पुनर्स्थापना प्रदेश स्तरीय अभियान का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका एवं समाज सेवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी संतोष दीदी ने कहा कि अच्छे विचारों से ही मन परिवर्तन होता है और मन अच्छे कर्मों की ओर ले जाता है। सेवा और त्याग की भावना जिस व्यक्ति में आ जाए उसका जीवन उमंगों से भरा रहता है।

पूर्व सीएम एवं गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि बेहतर कर्म और विचारों से ही स्वर्णिम समाज की पुनर्स्थापना की जा सकती है। जिसके लिए पूरे देश ही नहीं

विश्व भर में ब्रह्माकुमारीज द्वारा अलख जगाई जा रही है। सेवा और त्याग की भावना से बीके बहनों एवं भाईयों द्वारा समाज को एक नया उदाहरण पेश किया जा रहा है। संतोष दीदी जी एवं सांसद रावत ने अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता प्रो. ईवी स्वामीनाथन, प्रो. ईवी गिरीश, मुख्यालय संयोजक बीके वीरेंद्र भाई ने विद्यालयों, यूनिवर्सिटी, कॉलेज में विद्यार्थियों को मूल्यनिष्ठ जीवन के बारे में बताया। रोटरी क्लब लायंस क्लब सहित विभिन्न व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों ने बीके संतोष दीदी को को सम्मानित किया। राष्ट्रीय संयोजक राजयोगी अवतार ने अभियान का उद्देश्य बताया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, रतलाम (मप्र)। भागवत कथावाचक बहन जया किशोरी के नगर आगमन पर कथा के दौरान सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सविता दीदी, बीके गीता दीदी, बीके सोनू बहन, बीके स्वाति बहन ने श्रीकृष्ण की तस्वीर भेंटकर सम्मान किया। विधायक चैतन्य काश्यप, समाजसेवी राजेंद्र पोरवाल भी मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, मुंगेर (बिहार)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र द्वारा नगर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशामुक्ति रथ के माध्यम से दस दिन तक विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, ग्रामों, कारागृहों और सार्वजनिक स्थानों पर 46 कार्यक्रम आयोजित किए। बीके राजीव ने नशा छोड़ने का संकल्प कराया।

शिव आमंत्रण, भिलाई (छग)। ब्रह्माकुमारी सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में दीपावली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके आशा दीदी ने कहा कि हमारी अप्राप्ति का कारण इच्छाएं हैं। मेरी प्रसन्नता प्रशंसा के आधार पर नहीं होनी चाहिए, जहां अभिमान है वहां प्रसन्नता हो नहीं सकती। डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गीतों पर प्रस्तुति दी।

शिव आमंत्रण, आगरा (उप्र)। आर्ट गैलरी म्यूजियम सेवाकेंद्र पर वन विभाग के कर्मचारियों ने डीएफओ आदर्श कुमार, अपर डीएफओ अरविंद मिश्रा के निर्देशन में विजिट किया। इस दौरान बीके मधु बहन, बीके माला बहन, बीके संगीता बहन, बीके गीता बहन ने राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया।

शिव आमंत्रण, कुरुक्षेत्र। ब्रह्माकुमारिज की ओर से गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं का अध्यात्मिक मार्गदर्शन करने के लिए विशेष ओरसी गुडगाँव से बीके सुनयना बहन, बीके पारुल बहन और उनके सहयोगी पहुंचे | कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में भी विद्यार्थियों के लिए माइंड पावर के टिप्स बताए।

गाजियाबाद सेवाकेंद्र पर दीवाली मिलन समारोह आयोजित

ब्रह्माकुमारीज़ में आकर मन की दिव्यता बढ़ जाती है : केंद्रीय राज्य मंत्री सिंह

शिव आमंत्रण, गाजियाबाद (उप्र)।

ब्रह्माकुमारी गुलमोहर गार्डन सेवाकेंद्र पर दीवाली महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल डॉ. वीके सिंह ने कहा कि पुराने की सफाई तथा जीवन में खुशियां व आनंद का अनुभव करते हुए पूरा भारत जैसे प्रकाशमान हो जाता है। ब्रह्माकुमारीज़ में आकर मन की दिव्यता बढ़ जाती है।

बाल्टिक देशों के सेवाकेंद्रों की निदेशिका और महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी चक्रधारी दीदी ने कहा कि आंतरिक ज्ञान, गुण और शक्तियों को जागृत कर अंतर्मन को प्रकाशमान करने का यह पर्व हमारे जीवन को परिवर्तित करता है। हमारे मन के प्रकंपन पूरे विश्व को प्रभावित करते हैं। सकारात्मक संकल्पों द्वारा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। यही है अंतर्मन की ज्योति जलाना। परमात्मा द्वारा प्राप्त आध्यात्मिक ज्ञान का प्रकाश राजयोग के निरंतर अभ्यास से ज्वाला का रूप लेकर हमारे पुराने संस्कारों को परिवर्तित करता है। पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी ने अपने आध्यात्मिक जीवन का अनुभव साझा किया। पार्षद सुमन लता पाल ने दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्व पार्षद संजीव त्यागी, बीके रूपा बहन, दीपांशी बहन, भावना बहन, आरडब्ल्यू के पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन ब्रह्माकुमार रमेश भाई ने किया। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके लवली दीदी ने स्वागत किया।

परमात्मा ने सृष्टि परिवर्तन का कलश नारी को दिया

नरसिंहपुर/गाडरवारा (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपवन भवन द्वारा चैतन्य देवियों की मनोहारी झांकी आयोजित की गई। झांकी का शुभारंभ सांसद राव उदय प्रताप सिंह, विधायक सुनीता पटेल, जिनेश जैन, इंजी सोनपुरी बहन ने किया। क्षेत्रीय संचालिका बीके कुसुम दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ निराकार परमपिता परमात्मा द्वारा रचित आध्यात्मिक ज्ञान यज्ञ है। जिसमें प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा बाल ब्रह्मचारिणी बहिनों को जीवन में पवित्रता और दिव्य गुणों को धारण कराए ज्ञान कलश देकर फिर से नारी शक्ति को शक्ति रूप धारण करने और सृष्टि को स्वर्ग बनाने के महान कर्तव्य के निमित्त बनाया है।

ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाएं सराहनीय

शिव आमंत्रण, सुखदेव नगर (इंदौर)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से से चैतन्य देवियों की झांकी सजाई गई। शुभारंभ करते हुए भाजपा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि संस्थान द्वारा समाज कल्याण को लेकर सराहनीय सेवाएं की जा रही हैं। लोगों का जीवन बदल रहा है। इस मौके पर उद्योगपति नारायण अग्रवाल, एक्स एयर इंडिया सिक्योरिटी इंचार्ज आनंद कुमार शर्मा, कालानी नगर सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी, सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी सुजाता दीदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देवियों की तरह अपना जीवन दिव्य बनाएं

शिव आमंत्रण, गुमला (झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से नगर में चैतन्य देवियों की झांकी सजाई गई। इसका शुभारंभ सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व विधायक कमलेश उरांव ने किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शांति दीदी ने कहा कि हमारी संस्कृति में नौ देवियों का गायन है, कहीं भी नौ देवता का गायन नहीं है। नौ देवियों अलग-अलग गुण और शक्ति का संदेश देती हैं। नवरात्र पर्व हमें संदेश देता है कि हम भी अपने जीवन में देवियों की तरह दिव्य गुण धारण करें। अपने जीवन को पवित्र बनाएं।

चैतन्य देवियों की झांकी सजाई

शिव आमंत्रण, शिवाजी नगर (मुंबई)। थाने सेवाकेंद्र की ओर से सावरकर नगर में स्वयंभू भवानी माता मैदान में चैतन्य देवियों की झांकी सजाई गई। इस दौरान नगरसेविका कांचन चिंदरकर की ओर से गरबा रास का आयोजन किया गया। थाने महानगर पालिका अधिकारी सुनील चव्हाण, समाजसेवी हनुमंत जगदाले, सुखदा मोरे, पूर्व महापौर मीनाक्षी शिंदे, जिल्हा संपर्क प्रमुख शिवसेना नरेश महस्के मौजूद रहे। सेवाकेंद्र प्रभारी डॉ. बीके सरला बहन और बीके ज्योत्सना बहन का अतिथियों ने सम्मान किया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, मोकामा (बिहार)। सेवाकेंद की ओर से चैतन्य देवियों की झाँकी लगाई गई। इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल उपकमांडेंट पी. करुप्पुस्वामी, सभापति नीलेश कुमार, बीके निशा बहन, बीके रोशनी बहन, कार्यपालक अधिकारी मुकेश कुमार, थाना प्रभारी अनिल पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, कटनी (मप्र)। नवरात्र पर साधुराम स्कूल में कटनी सिविल लाइन सेवाकेंद्र द्वारा चैतन्य देवियों की झांकी लगाई गई। इसका उद्घाटन महापौर प्रीति बहन ने किया। बीके लक्ष्मी दीदी ने कहा कि देवियों का जीवन ज्ञान, पवित्रता, दिव्यता से भरपूर था। झांकी देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

शिव आमंत्रण, बैतूल (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज आठनेर तहसील में नवरात्र पर्व पर चेतन्य देवियों की झांकी लगाई गई। इसे देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। ऑडियो-वीडियो के माध्यम से परमात्मा के अवतरण का संदेश दिया गया। 108 दीपों से महाआरती की गई। सारणी से पधारीं ब्रह्माकुमारी सुनीता बहन ने कहा कि देवियों का जीवन जीवन में दिव्यता धारण करने का संदेश देता है।

शिव आमंत्रण, येवला (महाराष्ट्र)। नक्षत्र काव्य व साहित्य मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय पत्रकार संघ अध्यक्ष महेंद्र देशपांडे और दुबई से मिसेस यूनिवर्स आयकॉनिक अवॉर्ड प्राप्त डॉ. शुभदा जगदाले द्वारा नक्षत्र नवदुर्गा पुरस्कार से सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी नीता दीदी को नवाजा।

शिव आमंत्रण, मजलिस पार्क (दिल्ली)। सेवाकेंद्र की ओर से नवदुर्गा की चैतन्य झाँकी लगाई गई। उद्घाटन विधायक पवन शर्मा, परामर्शदाता नेहा अग्रवाल, आरडब्ल्यूए आदर्श नगर अध्यक्ष तरूण गर्ग और सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राजकुमारी दीदी ने दीप प्रज्वलन कर किया।

करनाल में 'आओ घर-घर स्वर्ग बनाएं' कार्यक्रम आयोजित

परिवार में सुख-शांति का आधार है पवित्रता

शिव आमंत्रण, करनाल (पंजाब)।

ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर-9 सेवाकेंद्र द्वारा डॉ. मंगल सैन सभागार में 'आओ घर-घर स्वर्ग बनाएं' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका लंदन से राजयोगिनी बीके जयंती दीदी ने कहा कि दादी मनोहर इंद्रा कहा करतीं थीं कि आप करनाल चलना और आज वह शुभ अवसर है, जब मैं करनाल में पधारी हूं। इस अवसर पर युगलों का सम्मान समारोह किया गया।

उन्होंने कहा कि पवित्रता ही यज्ञ का फाउंडेशन है। यह युगल ही महान आत्माएं हैं, पवित्रता की मूरत हैं, जो पवित्रता की धारणा कब से कर रहे हैं जिससे यह धरती स्वर्ग बनेगी। जब हम घर-घर को स्वर्ग बनाने की बात करते हैं उसमें दो क्वालिफिकेशन होती है - पवित्रता और सत्यता। परिवार में पवित्रता है तो सुख और शांति अवश्य ही होगी। यदि हम सोचते हैं कि आज कलयुग क्यों कलयुग बना। इसका कारण है अपवित्रता। हम भारत को फिर से स्वर्ग बनाना चाहते हैं तो पांच विकारों को अंदर से निकलना होगा, तभी यह भारत स्वर्ग बनेगा और यह दुनिया सुखी बन जाएगी।

इस अवसर पर सोनालिक पेंट्स के एमडी राधेश्याम गर्ग, घरौंडा विधायक हरविंदर कल्याण, मेयर रेणु बाला गुप्ता, इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप, नीलोखेड़ी विधायक धर्मपाल गोंदर, बीजेपी प्रधान जोगिंदर राणा, सीएम के ओएसडी संजय बठला, एमसी मुकेश अरोड़ा, सतीश गुप्ता (एमडी श्री राम एग्रो.), कैथल सर्कल प्रभारी बीके पुष्पा दीदी, संत नगर प्रभारी बीके लक्ष्मी दीदी, इंचार्ज सेक्टर 7 प्रभारी बीके प्रेम दीदी, निसंग प्रभारी बीके उर्मिल, बीके भारत भूषण भाई, एनडीआरआई के पूर्व प्रिंसिपल साइंटिस्ट्स अवतार सिंह ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं।

नकुड सहारनपुर प्रभारी बीके संगीता बहन ने संचालन किया। एसपी चौहान एवं एडवोकेट नरेश बराना ने मोमेंटो भेंट कर जयंती दीदी को सम्मानित किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मल दीदी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

समाज व राष्ट्र के उत्थान में न्यायविदों की मुख्य भूमिका

शिव आमंत्रण, बहादुरगढ़ (हरियाणा)। न्यायविदों के लिए समाज व राष्ट्र के उत्थान में न्यायविदों की भूमिका विषय पर आयोजित कार्यक्रम में जूरिस्ट विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी विद्या बहन मेडिटेशन का महत्व बताया। मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतनु भाई, जज वर्षा शर्मा, मीनाक्षी बहन, बीके प्रहलादपति भाई, बीके रश्मितापति, सेवाकेंद्र प्रभारी अंजलि बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

श्री प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट ने किया बीके सीता का सम्मान

शिव आमंत्रण, पन्ना (मप्र)। अंतरराष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव में श्री प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ को किया विशेष रुप से आमंत्रित किया गया। इसमें मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख डॉ. दिनेश पंडित द्वारा सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी सीता बहन का स्मृति चिन्ह, शॉल एवं पुष्प भेंट कर सम्मान किया। साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक मानवीय कार्यों की सराहना की।

शिवाजीनगर में नवनिर्मित भवन समाजसेवा के लिए समर्पित

शिव आमंत्रण, पुणे (शिवाजीनगर)। ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में अधिकारी और विधायक शामिल हुए। मीरा सोसाइटी सबज़ोन प्रभारी बीके सुनंदा बहन ने कहा कि यहां से लोगों को जीवन जीने की नई राह मिलेगी। मीरा सोसाइटी सबजोन की निदेशिका बीके नलिनी बहन ने कहा कि बहनों के अथक परिश्रम, लगन से आज यह भवन बनकर तैयार हुआ है।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, मुलुंड (मुंबई)। सेवाकेंद्र पर दिवाली का उत्सव मनाया गया। इसमें बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सबजोन इंचार्ज राजयोगिनी डॉ. गोदावरी दीदी ने दीपावली का महत्व बताते हुए कहा कि आंतरिक परिवर्तन और आत्म चिंतन महत्वपूर्ण है।

शिव आमंत्रण, अम्बिकापुर (छग)। नगर में चैतन्य देवियों की झांकी लगाई गई। उद्घाटन समाजसेवी अनिल मिश्रा, मंगल पाण्डे, कार्यपालन अभियन्ता अजय तिवारी, अरूण मिश्रा, जैन समाज अध्यक्ष अशोक जैन, शिल्पा पाण्डे, तहसीलदार उमेश्वर बाज, सेवाकेन्द संचालिका बीके विद्या दीदी ने किया।

शिव आमंत्रण, जबलपुर (मप्र)। शिव स्मृति भवन भंवरताल सेवाकेंद्र में चैतन्य देवियों की झांकी का आयोजन किया गया है। प्रेजिडेंट टेलेटेड इंटेलेक्चुल पुलिस सर्विस के प्रवीण मुबेन, सूरज जायसवाल, सीएसपी पंकज मिश्रा, टीआई वीडी द्विवेदी, डीएसपी सारिका पांडे, डॉ. श्याम रावत ने दीप प्रज्वलन कर झांकी का शुभारंभ किया। इस दौरान बीके बहनों ने नवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताया।

शिव आमंत्रण, सतना (मप्र)। कृष्ण नगर सेवाकेंद्र पर आओ चले संपूर्णता की ओर.. विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बीके भाई-बहनों दिव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें गुजरात से पधारी बीके शारदा दीदी, सेवाकेंद्र प्रभारी डॉ. बीके रानी दीदी, बीके सुनीता दीदी ने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, नरसिंहपुर (मप्र)। दिव्य संस्कार भवन सेवाकेंद्र पर विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। इसमें बीके प्रीति दीदी, बीके विनीता दीदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक विशाल मेशराम, डॉ निधि वर्मा, एडीए आत्मा परियोजना शिल्पी नेमा, उन्नतशील कृषक राकेश दुबे, कृष्णा पाल पटेल, रोहित भाई ने संबोधित किया।

स्व प्रबंधन विकार ही बनते हैं मनुष्य के पतन का कारण

पवित्रता में है अद्‌भुत शक्ति

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आज कोई भी अखवार उठाकर पढ़े तो एक खबर हर रोज छपती है। वह है कामेशु-क्रोधेशु वाले मनुष्य के कुकृत्य। प्रत्यक्ष में कितनी घटनायें घटती होंगी। हमारा विवेक भी यह मानता है कि दिन-प्रति-दिन यह घटनायें बढ़ेगी। ऐसे समय आत्मरक्षा का साधन क्या है? कोई इन्सान किसी की रक्षा नहीं कर पाता और ना ही कर पायेगा। यह विकृति इन्सान के दिमाग की है जो दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। यह भी समय का संकेत है कि एक दिन यही विकृति मनुष्य के सर्वनाश का कारण बनेगी। जिसका वर्णन शस्त्रों में भी दिया गया है कि रावण बहुत शक्तिशाली था। वह सीता जी को सम्मोहित कर के ले आया परन्तु अपने महल में नहीं रखना पड़ा। वह सीता जी को स्पर्श तक न कर सका सीताजी के पास अपनी आत्मरक्षा के लिए कौनसे शस्त्र थे? एक घास का तिनका, जो उठा कर सीताजी ने बीच में रखा रावण को चैलेन्ज कर दिया कि 'हे रावण, इस तिनके से आगे तूने एक कदम भी बढाया तो जल जाएगा, इतनी शक्ति है मेरी। रावण, जो किसी से कभी डरा नहीं सीता जी के इस चुनौती से डर गया। सीताजी के पास आत्म रक्षा की ऐसी कौन सी शक्ति थी?

राजयोगिनी ऊषा दीदी,
वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका,
माउंट आबू

यह शक्ति 14 साल के ब्रह्मचर्य व्रत की शक्ति, पवित्रता की शक्ति थी। पवित्रता की शक्ति ने उनके चारों ओर एक सुरक्षा कवच बना दिया था और उनकी आत्म रक्षा का साधन था। इसी प्रकार आने वाले समय में ऐसे अनेक रावण हो जायेंगे जो अनेकों को अपने विकृत मनोविकारों का शिकार बनायेंगे। ऐसे समय में ब्रह्मचर्य व्रत की शक्ति सुरक्षा कवच का कार्य करेंगी और इससे आत्मरक्षा होगी।

महाभारत का कारण भी द्रौपदी का वस्त्रहरण ही बना जो कौरवों के सर्वनाश का करण बना। आज की दुनिया में भी इसी वस्त्रहरण के कारण दुनिया का बेड़ा गर्क होता जा रहा है और यही संसार के सर्वनाश का कारण बनेगा।

परमात्मा जानी जाननहार है...

परमात्मा जानी जाननहार है। परमात्मा सर्वज्ञ होने के कारण जानते है कि आने वाले समय में नकारात्मक मनोवृति एवं विकृत मनोदशा वाले अनेक हैवान चारों ओर मंडरायेंगे और अनेक आत्माओं को अपनी हवस का शिकार बनायेंगे और कोई किसी की रक्षा नहीं कर पाएगा। ऐसे समय पर सुरक्षित रहने की विधि बताने परमात्मा इस धारा पर आते हैं और बताते है कि पवित्रता की शक्ति ही आत्म रक्षा का कवच बन सकती है। अतः योगी बनो,पवित्र बनो। कई बार कई लोगों के मन में यह सवाल भी आता है कि ऐसे समय पर भगवान मदद क्यों नहीं करता?

परमात्मा देते हैं पवित्र बनने की प्रेरणा....

परमात्मा हर आत्मा को मदद करना चाहता है इसीलिए पवित्र बनने की प्रेरणा देते है। जैसे कहावत है कि शेरनी का दूध सोने के बर्तन में ही ठहरता है,अगर कोई साधारण बर्तन में रखा जाए वह बर्तन फट जाता है,वह दूध इतना शक्तिशाली होता है। वैसे ही परमात्मा परम पवित्र है और सर्वशक्तिमान है तो उसकी मदद को स्वीकार करने के लिए पवित्रता की पात्रता चाहिए। सर्वशक्तिमान की शक्ति को प्राप्त करने के लिए आत्मा के अन्दर ब्रह्मचर्य व्रत की शक्ति जरूर होनी चाहिए तभी परम पवित्र परमात्मा की मदद पा सकेंगे इसीलिए परमात्मा इस अंतिम परिवर्तन के समय में आकर पवित्र बनने के लिए कह रहे हैं। पवित्रता की धारणा करने से कैसा भी मुश्किल समय हो,परमात्मा की मदद अवश्य प्राप्त होती है। दुनिया की सर्व आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं।

अध्यात्म की उड़ान अध्यात्म की गहराई में जाने के लिए भोजन पर संयम जरूरी

आत्म अभिमानी बनने में सबसे बड़ी बाधा है हमारा भोजन

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

विकारों से भी गहरी आदत भोजन की है। बहुत लोग इस गहरी आदत के शिकार हैं। जब देवताएं भी भोजन से मुक्त नहीं हैं और जब तक इस गहरी आदत में आघात नहीं किया जाता, तब तक चेतना में हलचल नहीं होती है और उसी हलचल की अवस्था में नए संस्कारों के बीज डाले जाएं तो कुछ नया होगा। भोजन को मौन में स्वीकार करना। प्रसन्नता के साथ कोई शिकायत नहीं, न ही उसका वर्णन करते हुए इसमें ये बहुत है, ये कम है, न ही उसके स्वाद का वर्णन।

चार चीजें कम कर दो या हटा दो। पहला तेल, दूसरा शक्कर ये सब लत हैं। उत्तेजना पैदा करते हैं, तीसरा नमक जितना नमक डालोगे उतना पानी मांगेगी शरीर। जिसने नमक को हटा दिया उत्तेजना अपने आप शांत हो जाएगी। चौथा अनाज कम करते जाओ। देवताएं पहले फल खाते थे जब से अनाज खाने लगे क्योंकि अनाज के लिए चार पांच चीजें चाहिए। उसमें आग चाहिए, मसाले चाहिए, नमक चाहिए, तेल चाहिए, शक्कर चाहिए इन घातक चीजों ने शरीर में अनाज के द्वारा प्रवेश किया। द्वापर से देवताओं का पतन दो कारणों से हुआ। पहला देह भान, दूसरा आग। जिस चीज को आग में डाला गया वो खत्म। जो जितना अनाज खाते हैं उनको चार चीजें होती हैं। दोपहर में नींद, आलस्य, प्रमाद, जड़ता शरीर में। अगर तीन बार खाते हैं तो दो बार कर दो। दो बार खाते हैं तो एक बार कर दो। अपने आप शरीर में नई ऊर्जा जागेगी और बिना स्वास्थ्य के आध्यात्म फेल है। जिसका शरीर ही साथ नहीं दे रहा, वो कहां से आध्यात्म का अभ्यास करेगा, कहां से अशरीरीपन, कहां से उमंग-उत्साह आएगा। सारा ध्यान बीमारी की तरफ जाएगा।

डॉ. बीके सचिन भाई,
राजयोग एक्सपर्ट,
माउंट आबू

आध्यात्म की शर्त है स्वस्थ्य शरीर। न केवल स्वस्थ्य, उसमें तीन चीजें हैं। पहला लचीला, दूसरा स्टैमिना, तीसरा सक्रिय शरीर। फल-सब्जी जितना हो सके कच्चा या तो फिर उबाला हुआ या तो फिर भाप वाला। जितना उसको पकाया जाता उतना उसके पोषक तत्व नष्ट होते हैं और जो स्वाद है वह केवल मसालों का स्वाद है और कुछ भी नहीं। असली स्वाद तो पता ही नहीं किसी को और जब शरीर उच्च कंपन भोजन से भरा होता है जो हम खा रहे हैं वो राजसिक है उत्तेजना वाला है। हम इसके हाथ का नहीं खाते, हम उसके हाथ का नहीं खाते, प्याज-लहसुन नहीं खाते, बीमारी तो उतनी ही है जितना ये सब खाने वाले को है। आत्म अभिमानी बनने में सबसे बड़ी बाधा है भोजन। जब तक इस पर काम नहीं किया जाए आत्मा चिपकी रहेगी शरीर से नीचे। इसको उड़ाना है ऊपर, हल्कापन आ जाए शरीर में। भागने को कहो तो कितना भी भागे, कसरत करने को कहो तो कितना भी कसरत करे, कितनी भी सीढ़ियां चढ़े, ऐसी शक्ति, ऐसी ताकत तभी आएगी जब भोजन हल्का हो। अव्यक्त और साकार महावाक्य हैं - बाबा के योगी का भोजन सूक्ष्म से सूक्ष्मतम होते जाएगा, ख़ुशी जैसी खुराक नहीं। ख़ुशी ही उसकी ख़ुराक है। योग में बैठ गए तो ऐसे बैठ गए की खो गए उसे याद ही नहीं। सबसे बुरी आदत है भोजन। ये खाऊं वो खाऊं, क्या खाऊं और कब खाऊं। अभी-अभी नाश्ता किया, अभी-अभी टोली खाई। दोपहर में क्या बनाना हैं। दिन-रात बुद्धि घूम रही है उधर था विषय वैतरणी नदी से निकले तो तेल वैतरणी नदी में डूबे हुए हैं। रोटी है उसको तेल लगाओ, चावल है सफ़ेद उसका कलर चेंज करो, दाल बनी हुई है उसको वापस डालो। सूरज ने इतनी मेहनत से पकाया है। पका- पका के अम्लीय भोजन बन जाता हैं।

समस्या- समाधान

रोज संकल्प करें- भगवान हर पल मेरे साथ है, साथी है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

बहुतों ने बुरे कर्म कर लिए हैं। अपने इस जीवन में वह उनको याद आते रहते हैं वो, याद करने से दुःख मिलता है इसलिए पास्ट को पूरी तरह से समाप्त करना है। बाबा तो ये बोला करते थे पास्ट को ऐसे समझ लो जैसे पुराने जन्म की बात है। अभी तो ब्राह्मण जन्म हो गया। वो पुराना है जन्म का, जो कुछ किया है, किसी ने हमें तकलीफ दी या हमारे द्वारा कई गलतियां हो गई पूरा हुआ। अगर वो न होता तो हम यहां न आते। हम भगवान के पास ना आते अगर वो सब बातें न होता। बहुत सी आत्माओं को उनका दुःख भगवान के पास ले आया, कईयों की उनकी परेशानी यहां ले आई, बुरी घटनाएं यहां ले आयी हैं। सच्चा सुख ईश्वरीय मिलन में हैं। खुशी अंदर से पैदा होगी, दूसरों से नहीं मिलेगी।

अंदर से जो ख़ुश रहना सीख ले वो तो ख़ुशनसीब और जो सोचे दूसरे मुझे ख़ुश रखें, अच्छा बोलें, मेरी सेवा करें, मुझे मान दें, मेरी प्रशंसा करे तो वो व्यक्ति सदा ही दुःखी रहेगा। एक तो पास्ट को पूरी तरह से खत्म करना है। कइयों को होती है भविष्य की चिंता। कई तो सोच-सोचकर दुःखी हैं, है कुछ नहीं। सोच रहे हैं और दुःखी हो रहे हैं इसलिए भविष्य की सदा ही बहुत सुंदर संकल्प रखना। रोज सुबह उठते ही संकल्प करना मैं बहुत भाग्यवान हूं, बहुत सुखी हूं क्योंकि भगवान मेरे साथ है। इसलिए मेरे साथ सबकुछ बहुत अच्छा होगा। बाबा ने हम सभी को एक बहुत सुंदर स्वमान दिया हुआ है। मैं मास्टर क्रिऐटर हूं, मास्टर रचयिता। भविष्य को बनाने का अधिकार हमें हैं। भविष्य हमारे हाथ में है।

जैसे संकल्प करेंगे, वैसा हमारा भाग्य होगा

जैसे सुंदर संकल्प हम करेंगे वैसा ही हमारा भविष्य होगा। भविष्य की चिंता नहीं करो। बुरा भी अच्छे में बदल जाएगा। जब सारे संसार को भोजन नहीं मिलेगा बाबा अपने बच्चों को दाल-रोटी खिलाता रहेगा और क्या चाहिए। जब संसार को आग लगेगी बाबा के बच्चे सेफ रहेंगे, लेकिन उन्हीं को बाबा पर विश्वास होगा, जिन्होंने समर्पण भाव अपनाया है, जिन्होंने उसकी आज्ञा को पालन किया है। जिसने उसके प्यार को जीत लिया वो उनकी सुरक्षा बहुत करेगा, कष्ट नहीं होने देगा। तो मेरे साथ कुछ बहुत अच्छा होगा। मुझे किसी से कुछ नहीं चाहिए। अब वो सब नहीं होगा जो आज से 50 साल पहले होता था, बच्चे मां-बाप के आज्ञाकारी। अब तो छोटों को आपको सम्मान देना पड़ेगा तब वो आपकी बात सुनेंगे। अपनी कामनाओं को कम करना ही है।

हर आत्मा का अपना पार्ट हैः बाबा ने बहुत सुंदर ज्ञान दिया है हर आत्मा का

> "बच्चे तुम्हें ख़ुशी होनी चाहिए कि हम भगवान के सम्मुख बैठे हैं।"

अपना-अपना पार्ट है। पार्ट भी अपना, भाग्य भी अपना, बुद्धि भी अपनी, संस्कार भी अपने। अपनों से ही आज कल सबको ज्यादा कष्ट हो रहा है। जहां भी कष्ट हो रहा हैं ख़ुशी जा रही है वो अधिकतर लोग अपने हैं। अपनों से कामनाएं भी बहुत होती हैं। अपनों पे अधिकार भी होता हैं, अपनों को कुछ कहा भी जाता है। बाबा ने कह दिया बच्चे तुम्हें बहुत ख़ुशी होनी चाहिए भगवान के सम्मुख बैठे हो, मैं तुम्हें स्वर्ग की राजाई देने आ गया हूं, भगवान तुम्हारे घर में मेहमान बनकर आ गया है। बहुत बड़ी ख़ुशी की बात है, मैं तुम्हारे लिए हथेली पर स्वर्ग ले कर आया हूं। ख़ुशी की बात है। ऐसी बातें हमें डायरी में नोट करनी हैं।

- राजयोगी बीके सूरज भाई,
माउंट आबू

अच्छी बातों को लिखकर जेब में रखें

२०-२५ बातें ख़ुशी की, २०-२५ बातें ईश्वरीय नशे की होनी ही चाहिए। इसे पढ़ते रहेंगे बातें हल्की होती रहेंगी। हमेशा लिख कर रख लो भगवान हमारे साथ है, पढ़ लिया करो रोज। साथ होने के दो मतलब होते हैं। पहला स्थूल रूप से साथ रहते हो दूसरा है आपका किसी बड़े आदमी से कनेक्शन हो आपके शहर में, यह आपका कोई रिलेटिव बड़ा आदमी हो आपको नशा रहता है न फलाना आदमी मेरे साथ है।

इधर, भगवान हमारे साथ हैं तो डरने की क्या बात है। एकांत में हमारा चिंतन बहुत अच्छा चलेगा। लिखा करेंगे सभी अच्छी-अच्छी बातें। पुरुषार्थ के लिए कुछ बातें- भगवान मुझे साथ दे रहा है, कौन मुझे साथ दे रहा है ये नशा चढ़ता रहे? स्वयं भगवान मुझे साथ दे रहा है। अपने चारों ओर रोज सवेरे और शाम शक्तियों का घेरा बनाना है।

क्योंकि जीवन में सारा महत्व है हमारे विचारों का। हमारे विचार जितने महान और श्रेष्ठ होंगे हमारा जीवन भी उतना ही महान और दिव्य होगा। इसलिए रोजाना अपने विचारों की भी समीक्षा करें। सोच-समझकर ही विचार करें। हमारी जीवन की क्वालिटी हमारे विचारों पर ही निर्भर होती है। महान लोगों के पीछे उनके महान विचार हैं। विचारों में दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए हमें जीवन में श्रेष्ठ विचारों का महत्व समझना और उन्हें जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है।

न्यायविदों के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

आध्यात्मिकता के बिना सामाजिक परिवर्तन संभव नहीं: न्यायाधीश

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम

बिना आध्यात्मिकता के समाज का परिवर्तन सम्भव नहीं है। उक्त विचार सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस एके पटनायक ने ओम शांति रिट्रीट सेंटर में व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारीज के न्याय विद प्रभाग द्वारा न्यायविदों के लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। राइजिंग जूरिस्ट्स थ्रू स्प्रीचुअल एंपॉवरमेंट' विषय पर उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता द्वारा ही सद्भावना पैदा होती है। बिना शांति के हम कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकते हैं। एक अशांत व्यक्ति दूसरों को भी अशांत ही करेगा। आध्यात्मिक व्यक्ति समाज को भी प्रभावित करता है। मन की स्थिरता का आधार आध्यात्मिकता है। न्याय प्रक्रिया में साहस एक बहुत बड़ा गुण है। साहस स्प्रीचुअल प्रैक्टिस से ही आता है। एक न्यायविद में दया और करुणा के भाव बहुत जरूरी हैं। स्वयं के एंपावरमेंट से ही हम समाज को एंपावर कर सकते हैं।

संस्थान के ज्यूरिस्ट विंग की अध्यक्षा राजयोगिनी पुष्पा दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता की सबसे बड़ी शक्ति सत्यता है। सत्यता के द्वारा ही हम सही निर्णय कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुकुमार पट्टाजोशी, वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार शर्मा, कटक, उत्कल विश्वविद्यालय के कानून विभाग के प्रमुख सुकांता कुमार नंदा, राष्ट्रीय संयोजक बीके नथमल ने भी विचार व्यक्त किए। विंग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके लता ने योग के अभ्यास से शांति का अनुभव कराया। बीके विजय ने संचालन किया।

स्प्रीचुअल अवकेनिंग अवार्ड से नवाजा

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली | अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज के सिल्वर जुबली समारोह में ग्रेटर कैलाश- 2 की प्रभारी ब्रह्माकुमारी संगीता बहन को स्प्रीचुअल अवकेनिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। अजय गर्ग विश्वविद्यालय में दो साल से मूल्यनिष्ठ प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्हें यह अवार्ड एकेजीईसी के चेयरमैन अशोक पाल और डॉ. राजेंद्र के अग्रवाल ने प्रदान किया। अजय पाल, अध्यक्ष, एकेजीईसी, विनय गर्ग, ट्रेजर, राकेश गर्ग, सचिव, राजेंद्र कुमार अग्रवाल विशेष रुप से मौजूद रहे।

220 लोगो का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण

शिव आमंत्रण, ग्वालियर (मप्र)| ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग द्वारा माधवगंज केंद्र प्रभु उपहार भवन में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ। इसमें जैबो नेत्रालय के डॉ. थॉमस द्वारा नि:शुल्क परामर्श दिया गया। शिविर में 220 लोगों की जांच उपरांत 171 लोगों को नि:शुल्क दवाइयां दी गईं। जिनको मशीन द्वारा अन्य जाँच की आवश्यकता थी। उनकी जांच जैबो हॉस्पिटल में डॉ. थॉमस द्वारा की गई। प्रभारी राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा है।

शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज के बच्चों को बताए सफलता के मंत्र

विचारों का शरीर पर पड़ता है गहरा प्रभाव

शिव आमंत्रण, रायपुर (छग)।

राजयोग ऐसी साधना है जो हमारी सोच को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार मनुष्य के मन में सारे दिन में 25 हजार से 30 हजार तक विचार पैदा होते हैं। इन विचारों का हमारे शरीर पर बहुत सूक्ष्म और गहरा प्रभाव पड़ता है। आप कैसे दिखते हैं यह महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन आप कैसा सोचते हैं यह अधिक महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह विचार ही हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं।

यह विचार ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर देखने के लिए आए शंकराचार्य इन्जीनियरिंग कॉलेज के बच्चों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। राजयोग जीवन जीने का सर्वश्रेष्ठ तरीका विषय पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन वह स्वर्णिम काल होता है जबकि हम अपने भविष्य को संवार सकते हैं। इस बहुमूल्य समय को मोबाईल, इन्टरनेट और सोशल मीडिया में व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। बहुत ज्यादा इन बातों में व्यस्त रहने से हमारी एकाग्रता पर भी असर होता है। इलेक्ट्रानिक्स गैजेट्स का उपयोग सीमित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आप सभी देश के उज्जवल भविष्य हो। सिर्फ आपके माता-पिता को ही नहीं बल्कि देश को भी आपसे बहुत अपेक्षाएं हैं। यह विद्यार्थी जीवन फिर से लौटकर नहीं आने वाला है। इसलिए अपने समय का सदुपयोग कर अपने भविष्य को संवारने के कार्य में लग जाना चाहिए। आपका भविष्य आपके हाथों में है।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, वाराणसी (उप्र)। ब्रह्माकुमारीज के जोनल मुख्यालय सारनाथ सेवाकेंद्र की ओर से नवरात्र पर चेतन्य देवियों की झांकी सजाई गई। इसका शुभारंभ पुलिस कमिश्नर अशोक जैन, एडिशनल पुलिस कमिश्नर एस. चनप्पा, एयर फोर्स सेलेक्शन बोर्ड के प्रेजीडेंट एयर कमोडोर अनुज गुप्ता, क्षेत्रीय संचालिका बीके सुरेंद्र दीदी, क्षेत्रीय प्रबंधक ब्र.कु. दीपेंद्र ने दीप प्रज्वलन कर किया। साथ ही आकांक्षा हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ. आदित्य सिंह, बीएचयू के प्रो. डॉ. ओपी सिंह, समाजसेवी डॉ. आलोक, मीडिया प्रभारी ब्र.कु. विपिन, ब्र.कु. तापोशी दीदी, ब्र.कु. गीता दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, पुणे। ब्रह्माकुमारीज के जगदंबा भवन रिट्रीट सेंटर पर सुरक्षा सेवा प्रभाग (SSW) का कार अभियान शुरू किया गया। प्रभाग की उपाध्यक्ष बीके शुक्ला दीदी, जगदंबा भवन की निदेशिका सुनंदा दीदी, मेजर जनरल गोपाल वर्मा, वैज्ञानिक मकरंद जोशी, लेफ्टिनेंट जनरल नरेंद्र कोटवाल एसएम, दशरथ भाई, कर्नल बीसी सती, कैप्टन शिव सिंह ने दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया।

शिव आमंत्रण, राजनांदगांव (छग)। ब्रह्माकुमारीज़ वरदान भवन द्वारा बल्देव बाग स्थित इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस के जवानों के लिए अलविदा तनाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बीके प्रभा बहन ने जवानों खुशहाल जीवन का मंत्र बताते हुए राजयोग के अभ्यास से गहन शांति की अनुभूति कराई । इस दौरान बीके झालम भाई, बीके पूनम बहन ने भी संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, गया/सिविल लाइन (बिहार)। दीपावली पर चैतन्य श्रीलक्ष्मी-श्रीनारायण की झांकी सजाई गई। इसका शुभारंभ लोजपा जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह, हरिदास सेमिनरी उच्च विद्यालय प्रधानाध्यापक मनोज कुमार निराला, केंद्र संचालिका बीके शीला दीदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। सभी का मुख मीठा कराते हुए दीपावली का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए जीवन में सदा उमंग, उत्साह बनाए रखने का आह्वान किया।

तीन दिवसीय महोत्सव आयोजित

शांता दीदी डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

शिव आमंत्रण, अजमेर (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारका नगर शिव वरदान भवन सेवाकेंद्र की ओर से त्रि दिवसीय खुशियों की अमृत धारा उत्सव के अंतर्गत प्रथम दिवस श्रीमद् भगवत गीता की राह वाह जिंदगी वाह कार्यक्रम, दूसरे दिन विशेष शोभायात्रा निकाली गई जिसमें कलशधारी माताए घोड़े ऊंट और बैंडबाजे के साथ रथ पर सवार ब्रह्माकुमारी उषा दीदी और शान्ता दीदी विराजमान रहीं। अजमेर दक्षिण विधायक वासुदेव देवनानी और पार्षद आतिश माथुर ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाई। राजयोगिनी शांता दीदी के ईश्वरीय ज्ञान के प्लेटिनम जुबली भी मनाई गई।

40 वर्ष से पुराने बीके भाइयों का द्वारका नगर सेवाकेंद्र संचालिका बीके रुपा बहन ने सम्मान किया। समारोह के तीसरे दिन दी रोल ऑफ़ मेडिटेशन इन हारमोनियस रिलेशनशिप विषय पर शहर के प्रतिष्ठित लोगों के लिए लिए शिव वरदान में संगोष्ठी रखी गई। इसके अंतर्गत मेरवाड़ा पैलेस अजमेर में सद्गुरु इंटरनेशनल ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट राजा थारानी ने गुलदस्ता भेंट कर राजयोगिनी बीके उषा दीदी का स्वागत किया। बीके शांता दीदी को दी थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी पेरिस की ओर से डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया।

विश्व शांति सरोवर का 19वां वार्षिक उत्सव मनाया

शिव आमंत्रण, कटक (ओड़िशा)। ब्रह्माकुमारीज़ के अनंतपुर स्थित विश्व शांति सरोवर का 19वां वार्षिक उत्सव और ब्रह्माकुमारीज़ ओडिशा की 50वीं स्वर्ण जयंती मनाई गई। इसमें कटक सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी डॉ. बीके कमलेश दीदी, अतिरिक्त निदेशिका राजयोगिनी बीके सुलोचना दीदी, प्रो. डॉ. प्रतिभा महारथी मुख्य वक्ता के रुप में शामिल हुईं। जयदेव के विधायक बीके अरविंद धाली, जालौर राजस्थान से बीके रंजू, माउंट आबू से बीके अखिल भाई और बीके केदार भाई, बीके प्रतिभा (ओएएस), बीके देबब्रत, बीके सुधांसु (सीईओ डीटीएस), बीके गोपाल भाई, बीके ज्योति, बीके सरिता, बीके देबस्मिता, बीके गीता मुख्य रुप से मौजूद रहीं। बीके प्रतिभा (प्रशासक आचार्य हरिहर कैंसर अस्पताल) ने मेहमानों का स्वागत किया। बीके सुलोचना दीदी ने वीएसएस के जन्म से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। आसपास के 18 गांवों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया। 25 वर्ष से अधिक आयु की 25 समर्पित बहनों का अभिनंदन किया गया। बीके निबेदिता ने सुंदर गीत गाए। बीके देबजानी ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया।

120 लोगों की जांची सेहत

शिव आमंत्रण, कादमा (हरियाणा)। समाज सेवा प्रभाग के तत्वावधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। सीएमओ डॉ. विनोद कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ. आशीष मान, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वसुधा बहन, महेश फौजी, बीके ज्योति बहन, नीतू पंच, सुबे स्वामी पंच, मा. संजू आदि ने का शुभारंभ किया। 120 लोगों की जांच कर दवाइयां दीं।

बासबारी (विराटनगर) नेपाल। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर एक दिवसीय राजयोग साधना शिविर आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू से आए बीके भगवान भाई ने योग-साधना बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया। बीके सत्यभावना बहन, बीके महालक्ष्मी ने भी संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, तारापुर (बिहार)। मेडिकल विंग द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशामुक्ति रथ के नगर आगमन पर स्कूल और संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित किए गए। रथ संचालक बीके राजीव, बीके स्नेहा दीदी, बीके रुपाली दीदी ने नशे के दुष्परिणाम बताए।

पीस पैलेस में योग-तपस्या भट्टी आयोजित

शिव आमंत्रण, जयपुर (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ पीस पैलेस में योग-तपस्या भट्टी एवं अलौकिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू से पधारे ग्राम विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके राजू भाई ने कहा कि स्वयं के सत्य स्वरुप अर्थात आत्म स्वरुप में स्थित होकर परमात्मा को याद करने से जो शक्ति मिलती है उससे सर्व प्रकार की समस्याएं सहज रीति पार हो जाती हैं। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके हेमा बहन ने कहा कि इतनी महान विभूतियों का संग मिलना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। बीके मीना बहन, बीके कविता बहन ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में बीके राजू भाई, संभाग संचालिका डॉ. बीके शांता दीदी और वरिष्ठ उद्योगपति बीके मदनलाल शर्मा का अलौकिक सम्मान समारोह मनाया गया। संचालन सीकर से पधारे बीके नरेश भाई ने किया।

ओम शांति म्यूजियम से लोगों को मिलेगा दिव्य ज्ञान

शिव आमंत्रण, फतेहाबाद (हरियाणा)। नवनिर्मित ओम शांति म्यूजियम का उद्घाटन संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बीके जयंती दीदी द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि म्यूजियम के माध्यम से ज्ञान लेकर लोगों को जीवन में नई दिशा मिलेगी। राजयोग मेडिटेशन सीखने के लिए प्रेरित होंगे। परमपिता परमात्मा द्वारा दिए जा रहे इस दिव्य ज्ञान को जीवन में धारण कर लोग अपना जीवन आदर्श बना सकेंगे। सेवाकेंद्र संचालिका बीके मोहिनी दीदी ने सभी बहनों का आभार जताया।

राजयोगी निकुंज राइटर ऑफ द इयर से सम्मानित

शिव आमंत्रण, गंगटोक (सिक्किम)। मुंबई के मोटिवेशनल लेखक राजयोगी निकुंज को सिक्किम अवार्ड्स 2023 में "राइटर ऑफ़ द इयर" से सम्मानित किया गया। सिक्किम अवार्ड्स एक प्रतिष्ठित मंच है जो सिक्किम राज्य में असाधारण योगदान देने वाले उत्कृष्ट व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है। राजयोगी निकुंज को उनके प्रभावशाली लेखन के माध्यम से समाज में मूल्यवर्धन, विशेषकर युवाओं में आध्यात्मिक परिवर्तन लाने के लिए यह अवार्ड प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि आप पिछले 15 साल से प्रमुख अख़बारों के लिए लगातार लिखते आ रहे है। आपके द्वारा चार भाषाओं में 8000 से अधिक लेखों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के कार्य को ध्यान में रखते हुए "द सिक्किम एक्सप्रेस" न्यूज़ पेपर ने उन्हें राइटर ऑफ़ द इयर श्रेणी के तहत नामांकित किया। पुरस्कार समारोह गंगटोक के सरसमा गार्डन्स में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग की उपस्थिति में आयोजित किया गया। यह पुरस्कार बीके सोनम बहन ने राजयोगी निकुंज जी की ओर से स्वीकार किया। सिक्किम के पर्यटन मंत्री बेदु सिंह पंथ द्वारा प्रदान किया गया।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-

वार्षिक मूल्य 150 रुपए तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960

Scan To Pay

ब्लैसिंग हाउस की प्रथम वर्षगांठ धूमधाम से मनाई

शिव आमंत्रण, भोपाल (मप्र)।

ब्रह्माकुमारीज़ के ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र की स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने पर का प्रथम वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। इसमें माउंट आबू से पधारीं राजयोगिनी शारदा दीदी ने कहा कि अमृतवेला पावरफुल करके ही आंतरिक शक्तियां अपने अंदर भर सकते हैं। गुलमोहर डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। गायक बीके युगरतन भाई ने सुंदर गीतों के माध्यम से चार चांद लगा दिए। छतरपुर से बीके शैलजा दीदी, रीवी से बीके निर्मला दीदी, बीना से बीके सरोज दीदी, बीके जानकी दीदी, सतना से बीके रानी दीदी और होशंगाबाद से बीके सुनीता दीदी मुख्य रूप से शामिल हुईं। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने सभी का स्वागत किया। बीके डॉ. रावेन्द्र भाई ने कविता सुनाई।

बच्चों को किया मोटिवेट, राजयोग का महत्व बताया

शिव आमंत्रण, चक्रधरपुर (बिहार) । ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला में राइस कैंपेन के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संचालिका बीके मानिनी बहन ने बच्चों को सफलता के मंत्र बताए। रांची व्यूमेन कॉलेज के प्रोफेसर सह पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई ने भी बच्चों को मोटिवेट किया। विशिष्ट अतिथि रानी रसाल मंजरी, कन्या मध्य विद्यालय की शिक्षिका यशोदा महतो ने सफलता के मंत्र बताए।

बीके शैली एक नारी सौ पर भारी अवार्ड से सम्मानित

शिव आमंत्रण, अंबाला कैंट (हरियाणा)। दयाल बाग सेवाकेन्द्र पर पिछले 21 वर्षों से समर्पित रुप से सेवाएं दे रही ब्रह्माकुमारी शैली बहन को समाजसेवा में योगदान के लिए दिल्ली के पाँच सितारा वेलकम होटल में आयोजित ग्लोबल एम्पायर इवेंट में एक नारी सौ पर भारी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूरे भारत के समाज सेवा, व्यापार तथा शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली लगभग सौ से अधिक महिलाओं का सम्मान किया गया।

शिव आमंत्रण, सागर (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ के मकरोनिया स्थित सेवाकेंद्र पर दीपावली उत्सव मनाया गया। सागर क्षेत्र की निदेशिका बीके छाया दीदी ने कहा कि आत्मदीप जलाना ही सच्ची दीपावली मनाना है। इस मौके पर बीके नीलम दीदी, बीके लक्ष्मी दीदी, बीके संध्या दीदी, बीके कल्पना दीदी, बीके दीपिका दीदी सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें मौजूद रहे।

समग्र शिक्षा अभियान, उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड और ब्रह्माकुमारीज़ के बीच तीन साल के लिए एमओयू साइन

शिव आमंत्रण, देहरादून (उत्तराखंड)।

राजभवन देहरादून द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल, क्षेत्रीय निदेशक बीके मेहरचंद द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर समग्र शिक्षा अभियान के प्रोजेक्ट डायरेक्टर बंशीधर तिवारी, उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक आनंद मणि सेमवाल भी विशेष रूप से मौजूद रहे। ब्रह्माकुमारी से जुड़े भाई-बहनें उत्तराखंड के करीब 5000 विद्यालयों के साथ महाविद्यालय, ग्राम पंचायत में प्रचार-प्रसार करेंगे। दस लाख छात्र-छात्राओं को नशामुक्ति की शपथ कराकर राजयोग एवं होम्योपैथी मेडिसिन से नशामुक्त किया जाएगा। बीके लक्ष्मीचंद, बीके नीलम बहन, बीके सरिता बहन, बीके एल्विन बहन उपस्थित रहीं।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, बरेली (उप्र)। बजरिया पूरनमल सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पार्वती दीदी के नेतृत्व में बीके नीता दीदी, बीके पारुल दीदी और बीके अनुराग भाई ने एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात कर ईश्वरीय ज्ञान चर्चा की और संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया।

शिव आमंत्रण, लवकुश नगर (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ उपसेवाकेंद्र पर दीपावली उत्सव मनाया गया। इसमें मां लक्ष्मी जी की झांकी सजाई गई। बाल कलाकारों ने दीपावली की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। बीके भारती दीदी और बीके सुलेखा दीदी ने सभी को दीपावली उत्सव का महत्व बताया।

शिव आमंत्रण, अहमदाबाद (गुजरात)। इंडिया कॉलोनी सेवाकेंद्र पर धूमधाम से दीपावली मनाई गई। इसमें बीके माताओ ने अपनी-अपनी बहु जो गृहलक्ष्मी हैं उनकी आरती उतारकर सम्मान किया। साथ ही उन्हें एक साथ प्यार से रहने की प्रतिज्ञा भी कराई। सेवाकेंद्र संचालिका बीके भानुबेन ने कहा कि आज जो संकल्प सास-बहू ने लिया है उसे सदा याद रखें और निभाएं।

शिव आमंत्रण, सिंगरोली (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज रिट्रीट सेंटर पर संचालिका बीके शोभा दीदी के मार्गदर्शन में दीपावली महोत्सव मनाया गया। उन्होंने सभी को संकल्प कराया कि दीपावली पर अपने मन का अंधकार, अज्ञान सदा-सदा के लिए दूर भगाएंगे।

शिव आमंत्रण, रांची (झारखंड)। सेवाकेंद्र पर दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान श्रीगणेश, राधा-कृष्ण, लक्ष्मी तथा खप्परवाली देवी की झांकी सजाई गई। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला दीदी, बीके प्रदीप, प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय सिंह, अधिवक्ता डोमन सिंह मुंडा, सुनील गुप्ता, समाजसेवी अभयेंद्र, डॉ. आशीष भगत, अभिवक्ता विभूति शंकर सहाय मौजूद रहे।

मां दुर्गा से लेकर छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय लोकनृत्य, जवानों की शहादत की प्रस्तुति से किया भाव-विभोर

इंदौर से आई कुमारियों ने प्रस्तुति से बांधा समां

आबू रोड (राजस्थान)

ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शांतिवन में आयोजित परमात्म मिलन शिविर के पहले ग्रुप में छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से लोग पहुंचे। इसमें ब्रह्माकुमार भाई-बहनों की आध्यात्मिक उन्नति के लिए सुबह-शाम विशेष आध्यात्मिक क्लासेस आयोजित की गईं।

शाम को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में मां दुर्गा की आराधना के लिए समर्पित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत के साथ किया गया। कुमारी वेदिका ने माता मेहतारी को समर्पित नृत्य की प्रस्तुति दी। इंदौर से आईं शिव शक्ति निकेतन छात्रावास की कुमारियों ने भारत की विभिन्न संस्कृतियों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। देशभक्ति गीतों से बताया कि कैसे जवान सरहद पर रहकर देश की रक्षा करते हैं। उनके त्याग-तपस्या और साधना को भी दर्शाया गया। वहीं देश की शान किसान की मेहनत की दिखाया। छग रायपुर से आईं बालिकाओं ने भांगड़ा की प्रस्तुति दी। साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ की स्थापना से लेकर ब्रह्मा बाबा की जीवन कहानी और अब तक के सफर को नाटक के माध्यम से दिखाया।

मोबाइल एडिक्शन को लेकर नाटक पेश किया

कुमारियों ने मोबाइल एडिक्शन को लेकर नाटक पेश किया। इसमें बताया कि कैसे आज मोबाइल के कारण आज बच्चे से लेकर बुजुर्ग अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। कैसे मोबाइल के चलते बच्चों की स्मरण शक्ति कमजोर हो रही है। कार्यक्षमता कमजोर हो रही है। साथ ही पढ़ाई में भी पिछड़ रहे हैं। कैसे बच्चे मोबाइल के कारण खाना-पानी छोड़ देते हैं।

सभी छात्राएं रोज करती हैं मेडिटेशन

कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि बच्चों को बचपन से अच्छे संस्कार दिए जाएं तो वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हैं। मीडिया विंग के उपाध्यक्ष बीके आत्म प्रकाश भाई ने कहा कि बालिकाओं ने यह साबित कर दिया है कि बच्चों को यदि अच्छी शिक्षा मिले तो वह सब कुछ कर सकते हैं। इंदौर जोन की निदेशिका बीके हेमलता दीदी ने कहा कि छात्रावास में छात्राओं को खाना बनाने से लेकर भाषण, पाक कला, सिलाई-कढ़ाई सिखाई जाती है।

आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वर्णिम भारत का उदय राष्ट्रीय अभियान शुरू

शिव आमंत्रण, जयपुर

आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वर्णिम भारत का उदय राष्ट्रीय अभियान का जयपुर ज़ोनल मुख्यालय ब्रह्माकुमारीज़ वैशाली नगर के प्रभु निधि सभागार में शुभारंभ किया गया। जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौर, राजस्थान यूनिवर्सिटी की नवनियुक्त वाईस चांसलर डॉ. अल्पना काटेज, आरयूएचएस वाईस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी, संयुक्त निदेशक शिक्षा संकुल योगेश चंद शर्मा, लंदन स्थित ब्रह्माकुमारीज इंटरनेशनल हेडक्वार्टर से आई सिस्टर गोपी, जयपुर सबज़ोन की प्रभारी राजयोगिनी सुषमा दीदी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का आगाज किया। सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि कर्म पर ध्यान करो फल की चिंता मत करो, क्योंकि परफेक्ट प्रैक्टिस से ही परफेक्ट बन सकते है। आत्मविश्वास सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है तथा खुद ही खुद के मित्र है। ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा मूल्यनिष्ठ शिक्षा के क्षेत्र में चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान की सराहना की।

RUHS के वाईस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी ने कहा कि मेडिटेशन से मन में ख़ुशी देने वाले सकारात्मक हार्मोन सेरोटोनीन का निर्माण होता है जबकि डोपामिन हार्मोन से नकारात्मकता पैदा होती है। खुश रहने के लिए मैडिटेशन ही कुंजी है। राजस्थान यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर अल्पना कटेजा ने कहा कि आज के दौर में शिक्षा का अर्थ ज्ञान और सुचना को अर्जित करना है परन्तु वास्तव में शिक्षा वही अर्थपूर्ण है जिसकी नीवं में गुण एवं संस्कार हो और आध्यात्मिकता हो।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, बसवनगुडी/बैंगलुरु। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से दीपावली पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लक्ष्मी-नारायण की आठ पीढ़ियों के साथ राज्याभिषेक की थीम बनाई और सभी भाइयों-बहनों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में कारागार एवं सुधार सेवाएं महानिदेशक आईपीएस मालिनी कृष्णामूर्ति ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। राजयोगिनी अंबिका दीदी ने जीवन में दिवाली के आध्यात्मिक उत्सव की व्याख्या से सभी को अवगत कराया।

शिव आमंत्रण, दिल्ली (लोधी रोड)। गेल (इंडिया) लिमिटेड, भारत सरकार की महारत्न कम्पनी के राष्ट्रीय कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत 'नैतिकता और शासन' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गय। इसमें प्रेरक वक्ता बीके पीयूष भाई, लोधी रोड सेवाकेंद्र संचालिका बीके गिरिजा दीदी, मुख्य सतर्कता अधिकारी संदीप सरकार, सीएमडी संदीप गुप्ता ने संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, अम्बिकापुर (छग)। ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्व भवन चोपड़ापारा में चमत्कार मेरे विचारों का विषय पर बाल दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाया। चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के डायरेक्टर मंगल पाण्डे, प्रचार एवं विकास संस्थान के डायरेक्टर अनिल मिश्रा, सामाजिक कार्यकर्ता वन्दना दत्ता, बीके ममता बहन ने संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, रोहतक। ब्रह्माकुमारीज शीला बाईपास सेवाकेंद्र पर पत्रकारिता में आध्यात्म की भूमिका विषय पर मीडिया सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि संजीव सैनी जी (डीपीआरओ) और मास्टर देवराज, प्रेसिडेंट ऑफ़ पेंशनर समिति तथा वरिष्ठ पत्रकार मनमोहन कथुरिया उपस्थित रहे। मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके सुशांत ने कहा है कि आध्यात्मिकता को आधार बनाकर उत्तम श्रेणी की पत्रकारिता की जा सकती है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रक्षा बहन, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजीव सैनी ने भी संबोधित किया। इस दौरान नगर के सभी प्रिंट, टीवी मीडिया के पत्रकारगण मौजूद रहे।

हमें आशावादी और जागरूक होकर मीडिया को सकारात्मक बनाना है

शिव आमंत्रण, देहरादून (उत्तराखंड)।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र सुभाष नगर में मीडिया सेमिनार एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसका विषय मीडिया की नैतिकता, जवाबदेही और स्व-मूल्यांकन था। मुख्य अतिथि टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था दुनिया के 140 देशों में नौ हजार सेवाकेंद्रों के रूप में संचालित है, उससे बड़ा मीडिया दुनिया में कोई दूसरा नहीं हो सकता है। हमें आशावादी एवं जागरूक होकर मीडिया को सकारात्मक बनाना है।

सूचना आयुक्त योगेश भट्ट ने कहा कि पत्रकारों को सबसे अधिक सूचना अधिकारों का प्रयोग करना चाहिए, लेकिन जो इसका उपयोग कर रहे हैं, वे निजी स्वार्थ में लिप्त हैं? सही मायनों में राज्य में एक प्रतिशत भी सूचना का अधिकार का उपयोग नहीं हो पा रहा है, जो चिंता का विषय है।

मीडिया विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके डॉ. शांतनु भाई ने कहा कि मीडिया में नैतिकता होगी तभी सही जवाबदेही कर सकता है और स्व-मूल्यांकन भी तभी हो सकता है। उन्होंने आकाशवाणी को ईश्वरीय वाणी, दूरदर्शन को दिव्य दर्शन बताते हुए पत्रकारिता संबंधित टिप्स दिए और माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के प्रति कुलपति डॉ. श्रीगोपाल नारसन ने कहा कि पत्रकार को सदा जागरूक व सकारात्मक रहकर ऐसी खबर परोसनी चाहिए जो देश व समाज के हित में हो। प्रो. देवेंद्र भसीन ने कहा कि पत्रकार को व्यवसायिक के बजाए सेवा भाव से कार्य करना चाहिए। आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारी अनिल भारती ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया को सकारात्मक रखने की दिशा में पहल कर पत्रकारिता को नकारात्मकता से बाहर निकालने का काम कर रही है। सबजोन प्रभारी बीके मंजू दीदी, हरिद्वार सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मीना दीदी, सूचना विभाग के उपनिदेशक मनोज श्रीवास्तव, देवभूमि पत्रकार यूनियन के महामंत्री डॉ. वीरेंद्र दत्त शर्मा, बीके गीता, बीके तारा, बीके सोनिया आदि मौजूद रहीं।।

सकारात्मक पत्रकारिता से होगा मूल्यनिष्ठ समाज का निर्माण

शिव आमंत्रण, ऋषिकेश। मीडिया विंग द्वारा मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में सकारात्मक पत्रकारिता का महत्व विषय पर पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मेयर अनीता मंमगाई, विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके डॉ. शांतनु भाई, संचालिका बीके आरती दीदी, बीके वैशाली, विक्रम शिला हिंदी विद्यापीठ के प्रतिकुलपति गोपाल नारसन, प्रेस क्लब अध्यक्ष आशीष डोभाल, साधना टीवी के स्टेट हेड कमल शर्मा ने संबोधित किया।

रुड़की में मीडिया विंग की ओर से सेमीनार आयोजित

रुड़की। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर सकारात्मक परिवर्तन के लिए जागरुक मीडिया' विषय पर मीडिया सेमिनार एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी, विंग के राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतनु, विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के प्रति कुलपति डॉ श्रीगोपाल नारसन, खानपुर विधायक उमेश कुमार, विधायक ममता राकेश, संयुक्त निदेशक डॉ. आनंद भारद्वाज, बीके मीना दीदी, बीके सुशील ने संबोधित किया।

ब्रह्माकुमारियों की वैश्विक सेवाएं सराहनीय

शिव आमंत्रण, हैदराबाद

ब्रह्माकुमारीज़ के शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में नवरात्रि समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने ब्रह्माकुमारियों की वैश्विक सेवाओं की सराहना करते हुए निस्वार्थ सेवाओं की तुलना कपूर से की। उन्होंने कहा कि ऐसा शानदार शो देखने का यह उनका पहला मौका है, जो इस संदेश के साथ आयोजित किया गया है कि ध्यान और आध्यात्मिकता की मदद से मनुष्यों में देवत्व को जागृत किया जा सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाओं की आवश्यकता है। इस दौरान राज्यपाल ने लाइव शो का उद्घाटन भी किया और बथुकम्मा नृत्य और भक्ति कार्यक्रम में भाग लिया।

यूएसए सेवाकेंद्रों की निदेशिका और संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी ने ऑनलाइन 'बीइंग द पावर' विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि दैनिक जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाने के बारे में बताया। रिट्रीट सेंटर निदेशिका बीके कुलदीप दीदी ने नवरात्र के महत्व के बारे में बताया।

नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संयुक्त संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन

नव संस्कारों का सृजन कर जीवन को बना सकते हैं महान

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। जब कोई बच्चा सभ्यता, शुचिता, शालीनता और शिष्टाचारपूर्वक व्यवहार करता है तो हमारे मुख से बरबस ही निकल आता है कि देखो! बच्चे के कितने अच्छे संस्कार (आदत) हैं। जीवन चक्र में संस्कार, सृजन की वह प्रक्रिया है जो अनवरत चलती रहती है। आत्मा कुछ संस्कार अपने साथ पुनर्जन्म के लेकर आती है और कुछ संस्कारों का सृजन बच्चे के जन्म के साथ परिवार, शिक्षा, विचारधारा, वातावरण, सभ्यता, संस्कृति के आधार पर होता है। नव संस्कारों का सृजन हमारे हाथ में होता है। विचारों की पहरेदारी, संयम, सतर्कता और साधना से संस्कारों को दिव्य, श्रेष्ठ बनाया जा सकता है। ऐसे दिव्य संस्कारों से युक्त मनुष्य ही देवात्मा, महात्मा और दिव्य पुरुष बनने की यात्रा को पूर्ण करती है। हम रोजाना की जिंदगी में कुछ आसान तरीके अपनाकर नव संस्कारों का सृजन कर सकते हैं, जो नए साल में आपके लिए नवाचार के साथ नई उपलब्धियों की ओर ले जाएंगे।

ऐसे नव संस्कार जीवन का बनेंगे अंग-

संकल्पः हमारी दैनिक जीवन से जुड़ी जो आदतें हैं उनकी शुरुआत सबसे पहले मन की धरणी में अंकुरण के साथ हुई थी। किसी विचार को बार-बार किया जाए, दोहराया जाए या समय-शक्ति रूपी खाद-पानी देकर सींचा जाए तो वह एक दिन पेड़ का रूप ले लेता है, जिसे उखाड़ना कई बार हमारी क्षमता से परे हो जाता है। जैसे- जीवन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण, हीनभावना, निराशा, तनाव, चिंता, दुःख और दर्द। ये लक्षण तभी उभरकर आते हैं जब वह मन के आकाश में अपना घर बना चुके होते हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि मन रूपी मंदिर का श्रृंगार हम चुने हुए विचारों से ही करें। नव संस्कारों के सृजन के लिए जरूरी है कि मन में आने वाले एक-एक विचार की पहरेदारी की जाए। उनका चयन कर प्रवेश दिया जाए और उनमें श्रेष्ठ का चयन कर प्राथमिकता दी जाए। यदि हम अपने विचारों के प्रति सतर्क और जागरूक हैं तो उन पर अमल करना आसान हो जाता है।

संयमः किसी भी बड़े कार्य, महान कार्य के लिए संयम (धैर्य) होना पहली शर्त है। बिना धैर्य के कठिन और बड़े लक्ष्य को पाना आसान नहीं है। नव विचारों को अपने मन के सागर में रोजाना डालते जाएं। एक दिन आएगा जब ये सागर पवित्र, श्रेष्ठ और महान विचारों से सराबोर हो जाएगा। फिर जब इसमें हिलोरे आएंगी तो वह खुद के साथ दूसरों को भी शीतलता प्रदान करेंगी। क्योंकि सागर वही देता है जो उसमें भरा होता है। रोजाना कुछ न कुछ नव विचारों को संयम के साथ भरते चलें।

साधनाः करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान... किसी भी कार्य को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए निरंतरता अर्थात् साधना जरूरी है। अभ्यास से कठिन से कठिन कार्य आसान हो जाते हैं। नव संस्कारों के सृजन के लिए अभ्यास जरूरी है। इसकी साधना निरंतर बनाए रखें। संकल्प शक्ति, संयम के साथ साधना का जोड़ उत्प्रेरक का काम करता है।

शक्तिः श्रेष्ठ व सकारात्मक कार्यों को संयम पथ पर साधना के साथ करते हैं तो इससे जो आंतरिक संतुष्टी, संतोष मिलता है वह हमारी आत्मिक ऊर्जा को शक्ति प्रदान करता है। हमारा आत्मबल बढ़ाता है। आत्मबल बढ़ने से लक्ष्य को पाना आसान हो जाता है जो सफलता को निश्चित करता है।

समयः परिवर्तन सृष्टि का नियम है। श्रेष्ठ संकल्पों का मन में रोपा गया पौधा, संयम रूपी खाद और साधना रूपी पानी से समय के साथ बढ़ता जाता है और अंततः अपनी पूर्णतः को पाता है। यही सिद्धांत जीवन में भी काम करता है। मन में शुभ संकल्पों का रोपा गया पौधा समय के साथ नव संस्कारों का सृजन कर देता है। संस्कारी व्यक्ति के सामने जीवन यात्रा में कितनी भी बाधाएं, परेशानियां और समस्याएं क्यों न आएं पर वह अपने संस्कारों रूपी धरोहर से हर बाधा को पार कर लेता है। ऐसे व्यक्ति कालांतर में महात्मा-देवात्मा के स्वरूप की ओर बढ़ते हैं।

सारः एक-एक संकल्प अमूल्य है, जो आपका भविष्य और भाग्य तय करता है। संकल्पों को संवारिए, भविष्य अपने आप संवर जाएगा। इसलिए महत्वपूर्ण है कि हम जो संकल्प कर रहे हैं पहले उनकी क्वालिटी को चेक करें। क्योंकि आज हम जो हैं और जिस स्थिति में हैं उसमें हमारे संकल्पों, विचारों की अहम भूमिका है। संकल्प ही हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं।

बीके शिवानी दीदी, अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता

हमें सतयुगी रास्ते पर चलना ही होगा...

अगर हम पुराने तरीके से सोचते रहें, बोलते रहें, करते रहें तो खुशी, सेहत और सुंदर रिश्ते संभव नहीं हैं

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

आने वाले समय में दुःख और बढ़ने वाला है। लोग झूठ बोलते हैं, गलतियां करते हैं, धोखा देते हैं, कहना नहीं मानते, वो कलियुग है। उसके बीच रहते हुए मैं आत्मा सतयुग बना रही हूं। देखें अपने आपको मैं आत्मा सतयुग बना रही हूं। मैं आत्मा अपनी बैटरी को चार्ज कर रही हूं। खुद से पूछे मैं आत्मा कैसी हूं? मेरी हर सोच, मेरा बात करने का तरीका, मेरा व्यवहार कैसा है? कुछ ऐसे लोगों को अपनी आंखों के सामने लेकर आएं जो हमारे अनुसार नहीं हैं। जिनके व्यवहार के संग में आकर हम भी कलियुग वाले हो जाते हैं। वो तो कलियुग में हैं कलियुग वाला व्यवहार करेंगे ही हमारे सामने। जो उनके लिए सही वो सही है। अब देखें अपने आपको- मैं आत्मा सतयुग में हूं। मेरा युग और उनका युग ही अलग है। मेरे संस्कार और उनके संस्कार ही अलग हैं।

हमें सतयुग बनाना है। अगर हमें सतयुग बनाना है तो कलियुग के लोगों से बिल्कुल डिफरेंट होना पड़ेगा। जब आपके आस-पास के लोग फोटो खींच रहें हो तो उस क्षण हम क्या करेंगे? मोबाइल जेब में रहने देंगे। लेकिन ये भी याल करना है कि हमें सतयुग बनाना है। एक तो हमें कलियुग की फोटो की जरूरत नहीं है। दूसरी उस दृश्य को हम इस तरह देख रहें हैं कि वह दृश्य सतयुग वाला हो जाए। फिर वो लोग उस दृश्य का फोटो खींचते रहें। हम उस सतयुगी दृश्य को बनाएंगे। वो लोग उस दृश्य का फोटो खींचकर खुशी मनाएंगे। अब हमारा तो रोल चैंज हो गया। अगर हमें सतयुग बनाना है तो दो बातें हैं- एक है सतयुग में जाना और दूसरा है सतयुग हमें बनाना है। दोनों बातों में बहुत फर्क है।

> एक से ही होती है नव संस्कारों की उत्पत्ति

कलियुग में सतयुगी बनकर रहना ही राजयोग

जब हम पीसफुल, निःस्वार्थ, प्रेममयी, शुद्ध आत्मा, स्वभाव संस्कार से बिल्कुल स्टेबल होंगे तो सतयुग महसूस होगा। अगर सामने वाला कलियुग में है तो कलियुग में गुस्सा करना, झूठ बोलना, धोखा देना एलाउ है। लेकिन सतयुग में गुस्सा करना नॉट एलाउड है। सतयुग में बुरा महसूस करना, रोना, उल्टा जवाब देना नॉट एलाउड है। अब ये कलियुग और सतयुग इक्क` रह पाएंगे? सतयुगी संस्कार लेकर सतयुग में रहना ये तो कोई भी कर सकता है। हमारे साथ सब प्यार से बात करें तब हम भी प्यार से बात करें, तो उसमें क्या ताकत चाहिए? वो तो कोई भी कर सकता है। सतयुग में सतयुगी जैसा रहना सबसे आसान है। कलियुग में कलयुगी जैसे रहना बहुत आसान है। कोई भी कर सकता है। लेकिन कलियुग में सतयुगी होकर रहना वो राजयोग मेडिटेशन है।

मान लिया कि आपके आसपास लोग गलत प्रकार का भोजन खा रहें हैं। कोई जंक खा रहा, कोई सड़क पर बैठ कर पानी पुरी खा रहा है, कोई फ्राइड खा रहा, कोई सड़क पर बैठ कर नॉनवेज खा रहा है। आपको पता लग गया ये सब गलत भोजन है लेकिन २५-३० साल पहले आप भी वही खाना खा रहे थे। अब एक दिन जागृति आई कि मुझे ये सब भोजन नहीं चाहिए। क्योंकि मेरा शारीरिक-मानसिक रिजल्ट ठीक नहीं रहा तो मुझे आज से हेल्थ चाहिए। तो हमने निर्णय ले लिया मुझे नहीं खाना। तो आसपास के लोग थोड़ी ही खाना बंद कर देंगे? क्योंकि उन्होंने निर्णय नहीं लिया है। निर्णय किसने लिया है? हमने लिया है। जिस दिन हमने निर्णय लिया आसपास के लोग कुछ और खा रहें हों और मुझे कुछ और खाना है ये संभव है। हां ये आसान है ऐसा संकल्प ले लेंगे तो हो जाएगा। ये बिल्कुल सहज है। ऐसे समय पर हम आसपास के लोगों से ज्यादा उमीदें नहीं करने हैं। लोग तो हमें वही खिलाने की कोशिश करेंगे जो वो खा रहे हैं। जब कई बार हम नहीं खाएंगे तो वो हमारा मजाक भी उड़ाएंगे, चिढ़ाएंगे भी खा लो-खा लो थोड़ा सा। लेकिन जिसने निर्णय ले लिया वो आत्मा क्या करेगी? अगर हमारे पास वो पावर है ये निर्णय लेने की तो मुझे कोई प्रलोभित नहीं कर सकता। भले मेरे आसपास चारों तरफ लोग अनहेल्दी खाना खा रहे हों, पी रहा हो। अगर कोई कुछ भी खा पी रहा है और हम नहीं खाएंगे ये तो कर सकते हैं ना। कोई कुछ भी बोल रहा है और हम वैसा नहीं बोलेंगे। अगर ऐसा नहीं कर सकते तो क्यों नहीं कर सकते?

सिर्फ हमें अपने आप से पूछकर ये निर्णय लेना है। अगर निर्णय लेते हुए गलती से हमने अपने मन को कह दिया इतना सारा पढ़ने के बाद भी ये करना तो आसान नहीं है। तो मन क्या करेगा? फिर मन ये कहेगा आश्रम में बैठकर ये सब बातें करना बहुत आसान होता है। इतना समझने के बाद भी ये सब होने वाली नहीं हैं। फिर मन ये कहेगा ये सब बात इन बहनों को क्या पता? इन्होंने बच्चे पाले कभी? इनको मालूम है बच्चों को संभालने के लिए आज क्या-क्या करना पड़ता है? जैसे ही मन ने ऐसे वार्तालाप करना शुरू की तो हमने अपने आपको क्या छूट दे दी? छोड़ दो उनको बनाने दो सतयुग, जब सतयुग बन जाएगा तो हम उसमें चले जाएंगे।

हमें अपनी क्वालिटी ऑफ लाइफ सुधारना होगी

महत्वपूर्ण यह है कि इस कलियुग को कैसे पार करना है? दिन प्रतिदिन हमारी क्वालिटी ऑफ लाइफ क्या होती जा रही है? बाहर साधनों के हिसाब से क्वालिटीज ऑफ लाइफ तो बहुत अच्छी होती जा रही है। लेकिन पर्सनल क्वालिटी ऑफ लाइफ बुरी और छोटी होती जा रही है। बुरी क्यों होती जा रही है? क्योंकि हम उसे होने देते हैं। सब लोग गुस्सा करते हैं तो गुस्सा तो करना पड़ता है। कलियुग के लोगों को नकल कर-कर के स्वतः हम लोग भी कलयुगी हो जाएंगे। कलियुग कैसे बनता है? कुछ लोग कलियुगी संस्कार क्रियेट करते हैं। बाकी सबलोग उनको नकल करते हैं।

एक से होती है कलियुग की शुरुआत

मान लिया आज तलाक आम बात हो गया है, लेकिन कभी न कभी किसी एक ने ही शुरुआत की होगी। सबने इक्क` तो नहीं शुरू किया होगा। किसी एक ने शुरू किया होगा। जिस समय पहले एक ने जब तलाक दिया होगा तो उस समय समाज ने क्या कहा होगा? ऐसा कैसे कर सकते हैं? और ये कितने साल पुरानी बात होगी? लगभग ५० साल। ५० साल पहले हमारी मान्यता क्या थी? शादी हो गई या अब वहीं रहना है? चाहे कैसी भी परिस्थितियां हों। ऐसा थोड़ी ही है कि उससे पहले चुनौतियां नहीं थीं। बहुत चुनौतियां थीं बहुत परिस्थितियां थीं। हर तरह के संस्कार थे लेकिन यहां दिमाग में मान्यता थी कि शादी हो गई अब यहां ही रहना है। माता-पिता बेटी को क्या कह के भेजते थे, अब वहीं रहना है। आज क्या बोलते हैं? मुश्किल आ रही है तो वापस आ जाओ। तंग कर रहे हैं तो वापस आ जाओ। तो ये मान्यता क्यों चेंज हुई?

किसी एक ने किया, दो ने किया, पांच ने किया बाकी ने नकल किया और धीरे-धीरे समाज ने क्या कहा? ये तो आम बात है। जैसे ही समाज ने इस बात को मुहर लगा दी ये सब अब आम बात है फिर बहुतों ने किया। हमारे दादा-दादी की जो पीढ़ियां हैं उस समय बाहर भोजन नहीं करते थे। ऐसी कोई धारणा नहीं थी। कोई उस समय कहता बाहर खाना खाने जाना है तो अजीब लगता था। बाहर खाना खाने कौन जाता है? आज के बच्चे कहते हैं घर कौन खाना खाएगा? ये सारा खेल इस ५०-१०० सालों में बहुत कुछ हमने बदल दिया। एक ने किया, दो ने किया, पांच ने किया बाकी ने नकल किया। कलियुग इसी तरह नीचे गिरता गया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से ब्रह्माकुमारीज़ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मुलाकात कर सेवाओं से अवगत कराया। राष्ट्रपति भवन में नागपुर सबज़ोन की निदेशिका बीके रजनी दीदी ने राष्ट्रपति को गुलदस्ता भेंट किया। इस अवसर पर बीके मनीषा दीदी, ग्रेव्हीटस फाउंडेशन की अध्यक्ष उषा ताई काकड़े, माउंट आबू से आवास-निवास विभाग के बीके संजय भाई, बीके डॉ. लीना दीदी और बीके डॉ. दीपक हरके उपस्थित रहे।

शिव आमंत्रण, बेतिया (बिहार)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मोतिहारी आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अंजना बहन ने सम्मान। उन्होंने राष्ट्रपति को शॉल पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर मोतिहारी सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी पूनम बहन भी मौजूद रहीं। उन्होंने क्षेत्र में संस्थान द्वारा की जा रहीं सामाजिक सेवाओं के बारे में भी बताया।

शिव आमंत्रण, सेंट पीटर्सबर्ग (रुस)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से निदेशिका बीके संतोष दीदी के मार्गदर्शन में स्वर्ण युग की ओर सुनहरे कदम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 250 लोगों ने भाग लिया और दिवाली मनाई। इस दौरान श्रीलक्ष्मी और श्रीनारायण की दिव्य झांकी सजाई गई। भारत के महावाणिज्यदूत कुमार गौरव ने विशेष रूप से भाग लिया।

गुलबर्गा (कर्नाटक)। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से सेवाकेंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी और दिल्ली से डॉ. एम मोहित गुप्ता ने विशेष रूप से भाग लिया। निदेशक बीके प्रेम भाई ने सभी का आभार माना।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021-23, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 Nov. 2023
» स्वामीः राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन » प्रकाशक, संपादक व मुद्रकः ब्र.कु. कोमल द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र